Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 160 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 13 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पंजाब और हिमाचल का संपर्क टूटा, पठानकोट-डलहौज़ी-चंबा नेशनल हाईवे बंद

पठानकोट। पठानकोट ज़िले के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण पठानकोट-डलहौज़ी राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही एक जगह सड़क भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। इतना ही नहीं, एक ट्रक भी इसकी चपेट में आ गया, लेकिन ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। फ़िलहाल, पठानकोट-डलहौज़ी-चंबा राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है और दोनों तरफ़ वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं, वहीं पंजाब और हिमाचल का संपर्क टूट गया है। बता दें कि बीती रात से हो रही बारिश के कारण पठानकोट ज़िले के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन की घटनाएँ सामने आ रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन दिन राज्य में अच्छी बारिश की संभावना है और बारिश सामान्य से ज्यादा हो सकती है। बीते दिन भी कुछ जिलों में बारिश हुई। लुधियाना में 0.2 मिमी, पटियाला में 1.4 मिमी, मोहाली में 3 मिमी और रूपनगर में 10 मिमी। जिससे औसत अधिकतम तापमान में 2.7एष्ट की गिरावट दर्ज की गई।

सजा की अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद दोषी को रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि पूरी करने के बाद भी जेल में बंद है और किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश देते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि यादव ने इस साल मार्च में बिना किसी छूट के 20 साल की सजा पूरी कर ली है।

पीठ ने इसके साथ ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को निर्देश दिया कि वे यह पता करें कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद तो नहीं है। यदि कोई दोषी व्यक्ति किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है और निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद हैं तो जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे शीघ्र रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भेजा जाए ताकि इससे राज्यों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों अवगत कराया जा सके।

'जिंदा लोगों को मृत बताया' सुप्रीमकोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा- 'पूरे आंकड़ों के साथ तैयार रहें

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को अहम सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दावा किया कि इस प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियां हैं, यहाँ तक कि एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 12 जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है। इस पर चुनाव आयोग ने गलतियों को स्वाभाविक बताया। अदालत ने आयोग को अगली सुनवाई में पूरे तथ्यों और आंकड़ों के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री ने पैर पखारकर स्वच्छता दीदियों का किया सम्मान

स्वच्छता में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने में स्वच्छता दीदियों का अमूल्य योगदान : मुख्यमंत्री साय

स्वच्छता में प्रथम रैंक लाने वाले नगरीय निकाय को मिलेगा एक करोड़ का पुरस्कार

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'स्वच्छता संगम' में शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अहम योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों के पैर पखारकर उनका सम्मान किया। बिलासपुर के बहतराई इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में 260 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। उन्होंने घोषणा की कि स्वच्छता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नगरीय निकाय को एक करोड़ रुपए, दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले को 50 लाख रुपए तथा तीसरा स्थान पाने वाले को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर विधायकगण श्री धरमलाल कौशिक, श्री अमर अग्रवाल, श्री धर्मजीत सिंह, श्री दिलीप लहरिया और श्री सुशांत शुक्ला, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि 'स्वच्छता संगम-2025' में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 'स्वच्छता संगम' के सफल आयोजन के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में हमारी सफाई दीदियों का योगदान अतुलनीय है, और आज उनके पैर पखारकर हमने उन्हें सम्मानित किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी। तब से हम निरंतर स्वच्छता के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए नई उपलब्धियां अर्जित कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता पाई है। यह उपलब्धियां हमें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न नवाचार लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर 'हर घर तिरंगा' लहराने और प्रदेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए जनसहभागिता का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के इतिहास का गौरवशाली दिन है। प्रधानमंत्री ने 2014 में स्वच्छता का बीड़ा उठाया और आज यह जन आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छता में प्रगति करते हुए हमने राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है और राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से पुरस्कार प्राप्त किए हैं। हमारे नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर छह पुरस्कार प्राप्त होना गर्व की बात है।

'दोषी पाए गए लोगों का रद्द किया जाएगा ओसीआई कार्ड', केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को जानकारी दी कि उन लोगों का ओसीआई कार्ड अब रद्द कर दिया जाएगा, जिन्हें कम से कम दो साल की जेल की सजा हुई हो या जिनके खिलाफ ऐसे अपराध में आरोपपत्र दाखिल हुआ हो, जिसकी सजा सात साल या उससे ज्यादा हो सकती है। ओसीआई कार्ड भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को बिना वीजा भारत आने की सुविधा प्रदान करता है। मंत्रालय ने इस संबंध में राजपत्र (गजट) अधिसूचना के जरिए यह नियम जारी किया है।

अधिसूचना में कहा गया, नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 7डी के प्रावधान के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार यह घोषणा करती है कि अगर किसी व्यक्ति को दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा हुई हो या उसके खिलाफ किसी ऐसे अपराध में आरोपपत्र दाखिल हुआ हो, जिसकी सजा सात साल या उससे अधिक है, तो उसका ओसीआई पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर पर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है।

जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है।

पाकिस्तान पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है

2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था।

उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं में लगातार पीछा करना, सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ करना और फर्जी फोन कॉल करना जैसी हरकतें शामिल थीं।

द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को परेशान करने की 19 घटनाएं हुईं। राजनयिकों के उत्पीड़न में इस बढ़ोतरी के बाद भारतीय उच्चायोग ने यह मुद्दा पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया था।

पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक मेजबान देश को डिप्लोमैटिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं।

'भारत रिसर्च के क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा', 18वें IOAA ओलंपियाड में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की मजबूत विरासत पर जोर दिया। अपने संबोधन में पीएम ने युवाओं से जिज्ञासा, रचनात्मकता और सहयोगात्मक मानसिकता के साथ ब्रह्मांड की खोज में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

भारत के पास दुनिया की सबसे ऊंची खगोलीय वेधाशालाओं में से एक

मुंबई में आयोजित खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में परंपरा और नवाचार का संगम है। उन्होंने बताया कि भारत के पास दुनिया की सबसे ऊंची एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्जर्वेटरीज़ में से एक है, जो लद्दाख में है। इस ऑब्जर्वेटरी की ऊंचाई समुद्र तल से 4,500 मीटर है। मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की ताकत में विश्वास करता है। भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हम चंद्रमा के

दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले देश हैं। उन्होंने कहा, भारत वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 1 करोड़ से ज्यादा विद्यार्थी अटल टिंकरिंग लैब्स में प्रायोगिक तरीके से स्ऊश्वरू (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) की शिक्षा ले रहे हैं।

मोदी ने कहा, इससे सीखने और नवाचार की संस्कृति बन रही है। ज्ञान तक पहुंच को आसान बनाने के लिए हमने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना शुरू की है, जिसके तहत लाखों विद्यार्थी और शोधकर्ता प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स को मुफ्त में देख सकते हैं।

रिसर्च के क्षेत्र में हो रहा अरबों डॉलर का निवेश

मोदी ने कहा, विभिन्न योजनाओं के तहत अनुसंधान क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश हो रहा है। हम आप जैसे युवाओं को दुनिया भर से भारत में पढ़ाई, शोध और सहयोग के लिए आमंत्रित करते हैं। हो सकता है अगली बड़ी वैज्ञानिक खोज ऐसी साझेदारियों से ही हो।

उन्होंने कहा, जब हम ब्रह्मांड की खोज कर रहे हैं, तो यह भी सोचना जरूरी है कि अंतरिक्ष विज्ञान से पृथ्वी पर लोगों के जीवन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है - क्या किसानों को और बेहतर मौसम पूर्वानुमान मिल सकता है? क्या प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी हो सकती है? क्या जंगलों में आग और पिघलते ग्लेशियरों की निगरानी की जा सकती है? क्या दूरदराज के इलाकों के लिए बेहतर संचार व्यवस्था बनाई जा सकती है?

प्रधानमंत्री ने कहा, विज्ञान का भविष्य आपके हाथों में है। असली दुनिया की समस्याओं का समाधान कल्पना और संवेदनशीलता से करना होगा। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि पूछते रहिए, वहां बाहर क्या है? मोदी ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 18 दिन का सफल मिशन पूरा कर लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की भी सराहना की। उन्होंने कहा, पिछले महीने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपना ऐतिहासिक मिशन पूरा किया।

बेजुबान कोई समस्या नहीं जिन्हें मिटा दिया जाए

लावारिस कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राहुल गांधी का सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर से आठ हफ्तों के भीतर सभी आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है. राहुल गांधी ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की आलोचना की. कहा, कि हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण साथ-साथ चलें. सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद कई पशु अधिकार संगठनों ने भी आलोचना की थी.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का सुप्रीम कोर्ट का निर्देश दशकों से चली आ रही मानवीय और विज्ञान-समर्थित नीति से एक कदम पीछे है. ये बेजुबान आत्माएं कोई समस्या नहीं हैं जिन्हें मिटाया जा सके. आश्रय, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल सड़कों को बिना किसी क्रूरता के सुरक्षित रख

सकते हैं. हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण साथ-साथ चलें.

सोमवार को, सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को तुरंत उठाकर कुत्ता आश्रय स्थलों में पहुंचाएं. ये निर्देश नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद पर भी लागू होंगे. शीर्ष अदालत के आदेश में कहा गया है कि कुत्तों को सड़कों से उठाकर संबंधित अधिकारियों द्वारा बनाए जाने वाले आश्रय स्थलों में रखा जाए.

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा, दिल्ली के बाहरी इलाकों सहित सभी इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को इकट्ठा करें और उन्हें किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करें... चाहे उनकी नसबंदी हो या न हो, समाज को स्वतंत्र और सुरक्षित महसूस करना चाहिए. आपके आस-पास कोई भी आवारा कुत्ता नहीं घूमना चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की पशु अधिकार संगठनों ने आलोचना की. सोमवार को दिल्ली में इंडिया गेट के सामने इस आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया. पेटा इंडिया एडवोकेसी एसोसिएट, शौर्य अग्रवाल ने कहा कि यह आदेश अव्यावहारिक और अतार्किक है.

शौर्य अग्रवाल कहते हैं, यह विशेष आदेश अव्यावहारिक, अतार्किक है और पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार अवैध भी है. दिल्ली सरकार के पास इन नसबंदी कार्यक्रमों को लागू करने और एबीसी नियमों को लागू करने के लिए 24 साल थे. दिल्ली में 10 लाख कुत्ते हैं और उनमें से केवल आधे की ही नसबंदी की गई है. उन्हें आश्रय स्थलों में रखना अव्यावहारिक है. यह बहुत मुश्किल है. इससे अराजकता और अधिक समस्याएं पैदा होंगी.

ड्राफ्ट सूची की गड़बड़ी सुधार लेंगे- चुनाव आयोग

आधार व वोटर आईडी नागरिकता के सबूत नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के तहत करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को पारदर्शी और सही रखने के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- भरोसे की कमी, तथ्य साफ

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह मामला ज्यादातर भरोसे की कमी का है। चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि 7.9 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 6.5 करोड़ लोगों को कोई दस्तावेज देने की जरूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि वे या उनके माता-पिता 2003 की मतदाता सूची में पहले से दर्ज थे। अदालत ने याचिकाकर्ताओं से कहा- अगर 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ ने एसआईआर का जवाब दिया है, तो '1 करोड़ मतदाताओं के नाम गायब होने' का तर्क नहीं टिकता है।

दस्तावेजों पर या है विवाद?

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के इस निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को अकेले नागरिकता का पुख्ता सबूत नहीं माना जा सकता। इसके साथ अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए। वहीं कपिल सिब्बल (याचिकाकर्ता की ओर से) ने कहा कि लोगों के पास आधार, राशन और ईपीआईसी कार्ड होते हुए भी अधिकारी

इन्हें मान्य नहीं मान रहे। अदालत ने पूछा- 'क्या आपका मतलब है कि जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं है, उन्हें भी मतदाता मान लिया जाए?'

राजनीतिक दलों और कार्यकर्ताओं की आपाीयां

अभिषेक मनु सिंघवी और प्रशांत भूषण ने इस प्रक्रिया की समय सीमा और 65 लाख मतदाताओं को 'मृत, पलायन कर चुके या अन्य जगह पंजीकृत' बताने के आंकड़ों पर सवाल उठाए। वहीं योगेंद्र यादव ने कहा- बिहार में वयस्क आबादी 8.18 करोड़ है, जबकि मतदाता संख्या 7.9 करोड़ बताई गई। उनका आरोप है कि एसआईआर का डिजाइन ही 'नाम हटाने' के लिए है। उदाहरण दिए गए कि कुछ क्षेत्रों में जिंदा लोगों को मृत घोषित किया गया और मृत लोगों को जिंदा। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी (ईसीआई की ओर से) ने कहा- यह ड्राफ्ट सूची है, इसमें कुछ गड़बड़ियां स्वाभाविक हैं, जिन्हें अंतिम सूची में सुधार लिया जाएगा। इसका उद्देश्य है मतदाता सूची से अयोग्य नामों को हटाकर चुनाव की शुद्धता बढ़ाना। बता दें कि ड्राफ्ट रोल 1 अगस्त को प्रकाशित होगा और फाइनल रोल 30 सितंबर को जारी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा था कि अगर बड़े पैमाने पर नाम काटने की स्थिति बनी, तो वह तुरंत दखल देगा। बुधवार को सुनवाई जारी रहेगी, जिसमें अदालत ने ईसीआई से पूरा डाटा तैयार रखने को कहा है।

इस मामले में कई बड़े राजनीतिक नेता और संगठन सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे हैं। इस आरजेडी सांसद मनोज झा, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल, एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले, सीपीआई महासचिव डी. राजा, समाजवादी पार्टी के सांसद हरिंदर सिंह मलिक, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद अरविंद सावंत, जेएमएम सांसद सरफराज अहमद, सीपीआईएमएल महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य के साथ ही पीयूसीएल, एडीआरऔर योगेंद्र यादव जैसे कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर फिलहाल नहीं लगेगी रोक, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आम लोगों को राहत देते हुए दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुराने वाहनों पर लगे प्रतिबंध के 2018 के आदेश पर पुनर्विचार की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब दिल्ली सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय से कोई दंडात्मक कदम न उठाने का आदेश देने पर विचार करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा, नोटिस जारी करें, जिसका चार सप्ताह में जवाब दिया जाए। इस बीच, हम निर्देश देते हैं कि इस आधार पर मालिकों के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम न उठाया जाए कि डीजल वाहन 10 साल पुराने हैं और पेट्रोल वाहन 15 साल पुराने हैं। दरअसल, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले में अपनी दलील में कहा कि मेरे पास एक गाड़ी है। मैं इसका इस्तेमाल कोर्ट से घर और वापस कोर्ट आने-जाने के लिए करता हूं। 10 साल बाद भी यह गाड़ी महज 2000 किलोमीटर ही चली होगी। वहीं यदि कोई इसे टैक्सी के लिए इस्तेमाल करता तो यह 2 साल में ही 1 लाख किलोमीटर तक जल जाती। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपनी दलील में आगे कहा कि मुझे अपनी गाड़ी इसलिए बेचनी होगी क्योंकि यह 10 साल पूरी कर चुकी है लेकिन 1 लाख किलोमीटर चल चुकी गाड़ी (जैसे कोई टैक्सी) चलती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

तालाब में भरा गंदगी, शहरवासी परेशान, सफाई के लिए कलेक्टर से लगाई गुहार

सारँगढ (समय दर्शन)। सारँगढ नगर पालिका अंतर्गत वार्ड वासियो ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जिसमे मोहल्ले में स्थित तिवारी तालाब की सफाई कराने के लिए पूर्व में एसडीएम सारंगढ़ व नगर पालिका को कई बार पत्राचार करने के बाद भी आज तक सफाई नहीं की गई है, जिससे तालाब के किनारे निवास करने वालों को कई प्रकार की बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

मौहल्ले वासियो ने कहा कि एसडीएम / नगर पालिका को बार-बार निवेदन करने के बाद भी सफाई नही होने से मोहल्लेवासियों में असंतोष है। अगर इस बार शहरवासियों की समस्याओं को 07 दिवस के भीतर समाधान नहीं होने से उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

जिले में 14 अगस्त को होगा स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन, सुबह सात बजे पुलिस परेड ग्राउण्ड से शुरू होगी स्वतंत्रता दौड़

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गरियाबंद जिले में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा।स्वतंत्रता दौड़ सुबह 7 बजे गरियाबंद के पुलिस परेड ग्राउण्ड गरियाबंद से प्रारंभ होगी।मेन रोड में जिला कार्यालय परिसर रोड (देवभोग रोड) तरफसर्किट हाउस होते हुए लगभग 1 किमी तक आगे जाकर वापस पुलिस परेड ग्राउंड में समाप्त होगी। इस दौड़ में जिले के जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि,जिला अधिकारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं,खेल समूह के पदाधिकारी, खिलाड़ीगण आदि शामिल हो सकते हैं।स्वतंत्रता दौड़ में शामिल सभी लोगों से सहिष्णुता एवं देशभक्ति का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग देने की अपील की गई है।

समय-सीमा बैठक के बाद कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में लोगों की समस्याएं

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की उपस्थिति में मंगलवार को समय सीमा की बैठक के बाद कलेक्टरेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये। इस दौरान जनदर्शन में आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए। आज जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 27 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया। वहीं गंभीर और जांच के आवेदनों को टीएल पंजी पर दर्ज करके, इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दी। इस दौरान जनदर्शन में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे लोगों में से तहसील नांदघाट के ग्राम मुड़पार के समस्त ग्रामवासी ने मनरेगा के रोड को खोदकर कब्जा करने की शिकायत दर्ज करने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील साजा के ग्राम परसबोड़ निवासी प्रभुराम साहू ने जमीन नामांतरण करने के संबंध में आवेदन दिया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा संचालित महाविद्यालयीन नि:शुल्क बस सेवा शुरू

गांव गांव में छात्राओं, परिजनों व ग्रामीणों ने किया पूजा के साथ स्वागत

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा हेतु विधायक भावना बोहरा संचालित 8 नि:शुल्क बस सेवा का संचालन 11 अगस्त से शुरू हो गया। इसके पूर्व 10 अगस्त को भावना बोहरा ने सभी बसों की पूजा कर छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। भावना बोहरा की नि:शुल्क बस सेवा के माध्यम से विधानसभा की 1000 हजार छात्राओं को लाभ पहुंचाने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की राह सुनिश्चित करने का

लक्ष्य दिखाई देने लगा है।

जैसे-जैसे बसें अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी छात्राओं, उनके परिजनों और ग्रामवासियों में उत्साह देखने को मिला। सभी ने बसों के आगमन पर उनका स्वागत कर पूजा-अर्चना की और पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा बेटियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए इस सार्थक प्रयास हेतु उनका आभार व्यक्त किया। परिजनों के चेहरे पर सुकून भारी मुस्कान थी तो वहीं छात्राओं में अपने सुरक्षित व उज्ज्वल भविष्य की चमक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

भावना दीदी ने कहा कि हमें विश्वास है कि इस बस सेवा के संचालन से पंडरिया, पांडातराई, पिपरिया, सहसपुर लोहरा एवं कवर्धा महाविद्यालय में अध्ययनरत पंडरिया विधानसभा की छात्राओं को घर से महाविद्यालय एवं महाविद्यालय से घर आने-जाने के लिए सुरक्षित आवागमन की सुविधा होगी साथ ही ऐसी बहुत सी बेटियां जो आवागमन की कमी होने की वजह से अपनी आगे की पढ़ाई पूरी करने में असमर्थ हैं उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने एवं उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही उन सभी परिजनों एवं अभिभावकों को भी अपनी बेटियों की शिक्षा एवं उनकी सुरक्षा के लिए चिंतामुक्त करेगी। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान एवं नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेकर हमने यह प्रयास किया है। हमारा लक्ष्य यही है कि हमारी बेटियां भी अपनी आकाँक्षाओं को पूरा करें, शिक्षा ग्रहण करें और अपने माता-पिता एवं हमारे क्षेत्र का गौरव बढ़ाएं। पूर्व में भावना बोहरा द्वारा 3 नि:शुल्क बसों का संचालन किया जा रहा था। भावना दीदी की गारंटी में उन्होंने संकल्प किया था कि इन बसों का विस्तार पूरे पंडरिया विधानसभा में किया जाएगा। अपने संकल्प को पूरा करते हुए 6 जुलाई को अतिरिक्त 5 नि:शुल्क बस सेवा का शुभारंभ किया गया। इस प्रकार कुल 8 नि:शुल्क बस सेवा का संचालन पंडरिया विधानसभा की कॉलेज में पढ़ने वाली बेटियों को घर से महाविद्यालय एवं महाविद्यालय से घर आने-जाने हेतु सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा मिल रही है।

अलेख महिमा आश्रम बसना में दो दिवसीय अखण्ड ब्रह्म यज्ञ

बसना(समय दर्शन)। श्री गुरू अलेख महिमा आश्रम बसना में नवान्न ग्रहण के निमित्त दो दिवसीय अखण्ड ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान सम्पन्न हुआ ।

विगत दिनांक 8अगस्त 2025 की प्रात:10:30बजे अखण्ड ज्योत एवं यज्ञारंभ प्रारंभ किया गया।

इस वार्षिक अनुष्ठान मे श्री गुरूगद्दी अलेख महिमा ढेंकानाल,जोरोण्डा से गुरूगद्दी प्रभारी महिमा संन्यासी बाबा करूणाकर दास बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर भक्त वृन्दो को आशीर्वाद प्रदान किये। उनके साथ महिमा सन्यासी बाबा धनीराम दास एवं साधु सन्यासी की टोली के साथ अलेख महिमा छत्तीसगढ़ प्रांत मुख्यालय श्री गुरू अलेख महिमा मठ बसना पहुंचे । जिनके मार्गदर्शन में बसना आश्रम मे दो दिवसीय अखण्ड ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान सम्पन्न हुआ । संध्या कालीन सत्र में संगीतमय भागवतभजन,कीर्तन ,सत्संग, गौ कथा एवं दुर्लभ प्रवचन के साथ रात्रि जागरण

के साथ दिनांक 9अगस्त 2025 को ब्रम्ह मुहूर्त मे विशेष सामुहिक पूजन(नीति) के साथ ही दीक्षा संस्कार का आयोजन हुआ । परम पिता परमेश्वर अलेख महाप्रभु से विश्व कल्याण की कामना हेतु प्रार्थना किया गया। महाप्रभु को नवान्न भोग अर्पण के बाद धर्म सभा का आयोजन हुआ । जिसमें गुरूगद्दी प्रभारी महिमा सन्यासी बाबा करूणाकर दास जी एवं बसना मठ प्रभारी महिमा संन्यासी बाबा उसत दास ने नवान्न ग्रहण के पावन अवसर पर भक्त वृन्दो को आशीर्वाद दिया । धर्म सभा पश्चात सैकड़ो भक्त वृन्दो ने नवान्न ग्रहण कर गुरू दर्शन का पुण्य लाभ व गुरू से प्रसाद प्राप्ति व भण्डारा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । इस आयोजन मे छत्तीसगढ़ उडीसा के दूर दूरांचल से सैकड़ों माताएं बहने एवं श्रृद्धालु भक्त वृन्दो ने सहभागिता की। इस दौरान बाबा प्रफुल्ल दास, बाबा गोविन्द दास,भक्त गण पाण्डव दास, हेतराम, सालिकराम, टेकराम,कृष्ण कुमार, देवानंद,उग्रसेन, रवि भगत, अंतर्यामी,गणेश दास, श्रीनिवास जेना, मोहन दास,राजकुमार, पवन कुमार, अंजोर सिंह, शांतिलाल आदि अनेक भक्त वृन्दो ने सेवायें देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

छत्तीसगढ़ जूनियर बालक हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत, गोवा को 5-1 से हराया

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जालंधर (पंजाब) में 12 से 23 अगस्त तक आयोजित 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर बालक राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में छत्तीसगढ़ की जूनियर बालक हॉकी टीम ने अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोवा को 5-1 से मात दी। टीम के कप्तान मोहित नायक ने 2 गोल दागे, जबकि रितिक यादव, सुमित मिंज और ओम यादव ने एक-एक गोल कर टीम की जीत पक्की की। बेहतरीन खेल के लिए करण साहू को प्लेयर ऑफद मैच चुना गया।

छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की 30 टीमें भाग ले रही हैं। टीम का चयन राजनांदगांव के अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के बाद किया गया था, जिसमें प्रदेशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से सर्वश्रेष्ठ 18 का चयन किया गया। प्रशिक्षण दल में मुख्य कोच दीपेश चौबे, टीम मैनेजर अमिताभ मानिकपुरी और सहायक कोच अनुराज श्रीवास्तव शामिल हैं।

वहीं, काकीनाडा में चल रही 15वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 2-0 से हराया। इससे पहले टीम ने कर्नाटक को 6-1 से हराकर मर्टर फाइनल में प्रवेश किया था और हॉकी मध्यप्रदेश को शूटआउट में 2-1 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में हरियाणा से हारने के बाद टीम को कांस्य पदक मुकाबले में हार झेलनी पड़ी।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ली समय-सीमा की बैठक

स्वतंत्रता दिवस, रजत जयंती एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों की की समीक्षा

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट स्थित दिशा सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले के आगामी प्रमुख आयोजनों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को इस वर्ष और अधिक प्रेरक, भव्य एवं आकर्षक बनाया जाए, ताकि यह आयोजन न केवल राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करे बल्कि जिलेवासियों के लिए गौरव और प्रेरणा का प्रतीक भी बने।

बैठक में 25 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाले रजत जयंती जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कार्यक्रमों के दौरान

स्थानीय कला, संस्कृति और परंपरा को प्रमुखता दी जाए, साथ ही सभी आयोजन अनुशासन, गरिमा और उत्साह के साथ सम्पन्न हों।

''हर घर तिरंगा'' अभियान में जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में जिले का प्रत्येक नागरिक अपने घर पर तिरंगा फहराए और पोर्टल पर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी फोटो अपलोड करना सुनिश्चित करे। इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रूप से जनजागरूकता अभियान चलाएं और गांव-गांव तक संदेश पहुंचाएं।

बैठक में ई-ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत सभी लंबित फाइलों एवं कार्यों को शीघ्र निपटाने पर जोर दिया गया, जिससे सरकारी कामकाज में गति और पारदर्शिता बनी रहे। कलेक्टर ने याद दिलाया कि पिछली समय-सीमा बैठक (29 जुलाई 2025) में 42 विभागों में से 31 विभागों ने अपने लक्ष्य समय पर पूरे किए थे, जबकि 11 विभागों में 58 फाइलें अभी भी लंबित थीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि आगामी समीक्षा में प्रगति न दिखाने पर जवाबदेही तय की जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि जून 2025 की बैठक में ई-ऑफिस के माध्यम से लंबित फाइलों की संख्या 112 थी, जो जुलाई के अंत तक घटकर 58 रह गई है। यह सुधार सराहनीय है, लेकिन इसे शून्य पर लाना ही अंतिम लक्ष्य है।

कलेक्टर ने सड़कों पर मवेशियों की समस्या को गंभीर बताते हुए नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए कि सड़कों से मवेशियों को हटाने के लिए ठोस और सतत कार्रवाई करें, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल सफाई या यातायात का मुद्दा नहीं है, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा विषय है।

विधायक रोहित साहू ने दो एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई गति

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने एवं ग्रामीण अंचलों में त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज राजिम विधायक रोहित साहू ने आज संयुक्त जिला कार्यालय परिसर से दो नई एम्बुलेंस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह एम्बुलेंस आदिवासी विकास विभाग द्वारा राज्य आयोजना-कमार भुंजिया अभिकरण अंतर्गत डेडिकेटेड मोबाईल मेडिकल वैन छुरा एवं मैनपुर विकासखण्ड के लिए एक-एक एम्बुलेंस प्रदान की गई है।इस अवसर पर कलेक्टर बी.एस.उइके,अपर कलेक्टर नवीन भगत एवं मुख्य चिकित्सा,स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एस.नवरत्न,जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के. बर्मन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं मीडियाकर्मी मौजूद थे।

इस दौरान विधायक श्री साहू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। नई एम्बुलेंस उपलब्ध होने से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी और आपात स्थिति में उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास आगामी समय में राज्य शासन द्वारा और एम्बुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी।

जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवा गुणवत्ता में सुधार होगा।कलेक्टर बी.एस.उइके ने कहा कि एम्बुलेंस सेवाओं के संचालन में पारदर्शिता और तत्परता बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं। इन वाहनों का संचालन 24 घंटे किया जाएगा और किसी भी आपात स्थिति में सहायता ली जा सकेगी।सीएमएचओ डॉ. नवरत्न ने बताया कि दोनों एम्बुलेंस आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित हैं,जिनमें ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार किट और मरीजों की सुरक्षित ढुलाई के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।इन वाहनों के शुरू होने से जिले की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा और अधिक सशक्त होगी।

धान खरीदी वर्ष 2025-26 हेतु एग्रीस्टैक प्रोजेट के अंतर्गत 1.39 लाख किसानों का पंजीयन पूर्ण

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे आगामी धान खरीदी सीजन 2025-26 के लिए राज्य शासन ने एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के तहत किसान पंजीयन को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के माध्यम से पंजीकृत किसानों को ही समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने की अनुमति होगी। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

पंजीयन प्रक्रिया और लाभ :- एग्रीस्टैक पोर्टल पर किया गया पंजीयन ई-केवाईसी युक्त होता है, जिससे किसान की वास्तविक पहचान सुनिश्चित होती है और दोहराव की संभावना समाप्त हो जाती है। यह व्यवस्था किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से पहुंचाने के लिए लागू की गई है। राज्य शासन द्वारा विकसित एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष 01 जुलाई से 31 अक्टूबर तक पंजीयन की प्रक्रिया संचालित होती है। इस वर्ष भी खरीफसीजन के लिए यह प्रक्रिया तय समय सीमा में पूरी की जाएगी।

विभागीय समन्वय और डेटा एकीकरण :- इस बार किसान पंजीयन में कृषि विभाग, खाद्य विभाग और राजस्व विभाग के बीच इंटर-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन को मजबूत किया गया है। धान खरीदी पोर्टल पर किसानों का डेटा एग्रीस्टैक की फार्मर रजिस्ट्री से एपीआई के माध्यम से लिया जाएगा। भुइयाँ पोर्टल में दर्ज किसानों की भूमि जानकारी और गिरदावरी रिकॉर्ड को आधार सीडिंग के जरिए एकीकृत किया जा रहा है। वर्तमान में 85: भूमि रिकॉर्ड का आधार सीडिंग हो चुका है, शेष कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खरीदी प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

जिले में पंजीयन की स्थिति :- जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों का नवीन पंजीयन एवं फसल रकबे का संशोधन कार्य प्राथमिकता से करें। गत वर्ष धान विक्रय करने वाले किसानों की संख्या 1.57 लाख। इस वर्ष अब तक किसान आईडी बनवाने वाले किसान 1.39 लाख शेष किसानों से अपील की वे नजदीकी सहकारी समिति या कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर तुरंत किसान आईडी बनवाएं।

स्कूलों में गूंजा ''कूड़े से आज़ादी'' स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने स्कूलों में किया श्रमदान

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में कवर्धा शहर में ''कूड़े से आज़ादी'' स्वच्छता श्रमदान अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान 09 अगस्त से 14 अगस्त 25 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित कवर्धा की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

इस अभियान के तहत नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा शहर के सभी शासकीय कार्यालय प्रमुखों, विद्यालय प्राचार्यो तथा प्रधान पाठकों को पत्र लिखकर स्वच्छता श्रमदान में भाग लेने का अनुरोध किया गया है इसके अनुक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं के

साथ-साथ शिक्षकगण एवं जनभागीदारी शाला विकास समिति के सदस्य भी सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। विद्यालय परिसरों, कक्षाओं, खेल मैदानों तथा शौचालयों की साफ-सफाई कर विद्यार्थियों ने स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने नारे लगाए ''स्वच्छ भारत, विकसित भारत, स्वच्छ कवर्धा का नारा भी लगाया।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि यह अभियान केवल एक सप्ताह तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एक दीर्घकालिक संकल्प है, जिसमें सभी नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने कहा, ''स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

शहर भर में इस अभियान को लेकर उत्साह का वातावरण है। अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि ''कूड़े से आज़ादी'' स्वच्छता श्रमदान अंतर्गत विकसित भारत की परिकल्पना व स्वच्छ, सुंदर तथा विकसित कवर्धा बनाने हेतु कवर्धा शहर के समस्त शासकीय कार्यालय प्रमुख एवं स्कूलों के प्राचार्य, प्रधान पाठकों को पत्र लिखा गया है जिसके परिपालन में अपने शाला परिसर का साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहूजा, अध्यक्ष शाला विकास समिति अजय गुप्ता, जसवंत छाबड़ा, राजा पीयूष टाटिया, रामकुमार ठाकुर, गोपाल साहू, जनभागीदारी अध्यक्ष रिंकेश वैष्णव, मनीषा साहू, अधिवक्ता शेखर बख्शी, पार्षद गण दुर्गेश अवस्थी, अजय ठाकुर, बिहारी धुर्वे, डोनेश ठाकुर ल, दीपक सिन्हा, संजीव कुर्रे, सोखीराम आहिरवार, योगेश चंद्रवंशी, हरीश साहू, अनिल साहू तथा महाविद्यालय, स्कूल के स्टाफ छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उीर्ण विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे डेयरी टे नोलॉजी डिप्लोमा कोर्स में

बेमेतरा (समय दर्शन)। छ.ग. शासन एवं दाऊ वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम चोरभट्टी में गत चार वर्षों से संचालित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कक्षा 12वीं में गणित एवं बायोलॉजी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 12 वी अंको के मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

यह निर्णय जिलें के उन विद्यार्थी के भविष्य को लेकर किया गया है जिनके पास गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने पश्चात् तकनीकी शिक्षा के समुचित विकल्प उपलब्ध नहीं होते। उल्लेखनीय है, कि चोरभट्टी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक के द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम में देश एवं प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिये सक्षम युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है।

सीपत-नवाडीह चौक का नामकरण शहीद विनोद सिंह कौशिक के नाम पर करने की घोषणा

मुख्यमंत्री साय शहीद विनोद सिंह कौशिक मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह में शामिल, मेधावी छात्रों का बढ़ाया उत्साह

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित शहीद विनोद सिंह कौशिक मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है और उनकी मेहनत, लगन एवं संकल्प से प्रदेश और देश नई ऊँचाइयों को छुएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह अवसर अत्यंत गर्व और उत्साह का है, जब हम अपनी नई पीढ़ी के होनहार, परिश्रमी और प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन शहीद विनोद सिंह कौशिक की स्मृति में विगत तीन वर्षों से हो रहा है और यह कार्यक्रम समूचे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को आगे बढ़ने और कुछ नया करने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद विनोद सिंह कौशिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि वीर सपूत शहीद विनोद सिंह कौशिक माओवादियों से लड़ते हुए वर्ष 2018 में नारायणपुर में शहीद हो गए थे। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने हेतु उनकी स्मृति में न्यास का गठन किया गया है और इसके माध्यम से प्रतिभाओं का सम्मान किया जाना अनुकरणीय पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में हम मार्च 2026 तक नक्सली आतंक को समाप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं। केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। लगातार नक्सल ऑपरेशनों में सफलता मिल रही है, करोड़ों के इनामी नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सम्मान समारोह के माध्यम से हम केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों का ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य निर्माता बच्चों का भी सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपने जो उपलब्धि हासिल की है, उसमें निःसंदेह आपकी मेहनत है, लेकिन इसके पीछे परिवार, गुरुजनों और समाज का भी अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि राज्य में ही सभी उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने, निरंतर मेहनत करने और सकारात्मक सोच बनाए रखने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वीर सपूत शहीद विनोद सिंह कौशिक को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप जीवन के ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं, जहाँ से भविष्य की दिशा तय होती है। आपके प्रयासों से न केवल आपका, बल्कि देश और प्रदेश का उज्ज्वल भविष्य निर्माण होगा। आपके सपनों के साथ आपके माता-पिता, शिक्षक और रिश्तेदारों की उम्मीदें भी जुड़ी हुई हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए समर्पित भाव से निरंतर मेहनत करें। श्री साव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'डिप्रेशन' और 'निराशा' जैसे शब्द अपनी डिक्शनरी से हमेशा के लिए हटा दीजिए, क्योंकि निराश व्यक्ति कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ें।

रेमेडियम लाइफकेयर ने FY26 की पहली तिमाही में कमाया 464.88 लाख का मुनाफा

मुंबई: फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन और स्पेशलिटी केमिकल्स सेक्टर में तेजी से उभरता हुई कंपनी रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड, ने 30 जून 2025 को पूरी हुई तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं, जिसमें कंपनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनाफे में जबरदस्त सुधार दर्शाया है। कंपनी ने Q1FY26 में 464.88 लाख का प्रोफिट आफ्टर टेक्सेशन (PAT) दर्ज किया, जबकि पिछली तिमाही Q4FY25 में कंपनी को 204.60 लाख का घाटा हुआ था। खास बात यह भी है कि सिर्फ पहली तिमाही का मुनाफा ही पूरे FY25 के कुल मुनाफे 212.94 लाख से दोगुना है जो कंपनी का मजबूत ओपरेशनल मोमेन्टम और प्रोफिट में बड़े सुधार को दर्शाता है। इस तिमाही के दौरान रेमेडियम लाइफ केयर का ओपरेशन्स से राजस्व 11,336.67 लाख रहा, जबकि प्रोफिट बिफोर टेक्स (PBT) 571.23 लाख तक पहुंच गया। यह उपलब्धि कोस्ट मेनेजमेन्ट और ओपरेशनल एफिशियेन्सी पर कंपनी के द्वारा किये गए फोकस को दर्शाता है। कंपनी ने अपनी रणनीति के द्वारा आने वाले समय के लिए सतत विकास की नींव रख दी है। इस पर्फोमन्स के बारे में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आदर्श मुन्जाल ने कहा, यह तिमाही हमारे लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है। ओपरेशनल एफिशियेन्सी और विवेकपूर्ण फायनान्शियल मेनेजमेन्ट पर हमारे फोकस ने हमें मजबूत टर्नअराउंड दिया है।

आदि कर्मयोगी अभियान : जनजातीय बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाएं होंगी संतृप्त

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में आदि कर्मयोगी जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' शेष हैं, उनकी पहचान करेंगे। स्थानीय प्रशासन के माध्यम से इन कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त होगा। मुख्य सचिव श्री अभिताभ जैन ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित आदि कर्मयोगियों के लिए राज्य स्तरीय उन्नमुखीकरण एवं जिला मास्टर टेऊनर्स के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा कि आदि कर्मयोगी जनजातियों से सहज-सरल एवं उनकी ही भाषा व बोलचाल में मित्रवत जुड़ाव से आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य पूरा होगा। ऐसे आदि कर्मयोगी साथी को भी इस अभियान में जोड़ने की भी जरूरत है, जो गोड़ी, हल्बी, भतरी, सदरी आदि बोली-भाषा का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी एक-एक आदिवासी परिवारों से मिलकर उनकी आजीविका, उनके रोजी-रोटी का साधन उनकी स्वास्थ्य, पोषण, सेरक्षित प्रसव टीकाकरण आदि विशेष विषय पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर, सरगुजा के दूरस्थ अंचलों में चर्चा के दौरान बच्चों में रूचिकर हुनर से भी जोड़ने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्हें व्यवहारिक शिक्षा के साथ ही तकनीकी शिक्षा, सहकारी साख समितियों से ऋण लेने तथा ऋण चुकाने की भी जानकारी देनी चाहिए। प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत पूरे देश में आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में 20 लाख स्वयंसेवकों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में लगभग 1 लाख 33 हजार वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जनभागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामों में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जो न केवल मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में सहायक होंगे, बल्कि योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सतत क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में धरती आबा और पीएम-जनमन जैसे संतृप्तिमूलक अभियानों की भी शुरुआत की गई है।

एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड ने न्यू बिजनेस ग्रोथ में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नईदिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में विकास की अपनी गति को बनाए रखते हुए एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने न्यू बिजनेस ग्रोथ (इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम) में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम 1,553 करोड़ रुपये रहा। इससे कंपनी का प्राइवेट मार्केट शेयर 121 आधार अंक बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गया। समीक्षाधीन अवधि में नई रिटेल पॉलिसी की संख्या 10 प्रतिशत बढ़ गई। नए बिजनेस की ग्रोथ को एन्यूटी में 40 प्रतिशत, रिटेल प्रोटेक्शन एंड हेल्थ में 36 प्रतिशत और एनपीएआर-सेविंग्स में 41 प्रतिशत की मजबूती से समर्थन मिला है। इसके अतिरिक्त, एक्सिस मैक्स लाइफ ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 15 नए पार्टनर्स जोड़े, जिनमें 8 रिटेल और 7 ग्रुप बिजनेस पार्टनर हैं। एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड को पहले मैक्स लाइफइंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। एक्सिस मैक्स लाइफ के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'हमने इस वित्त वर्ष की शुरुआत सकारात्मक नतीजों के साथ की है। बीती तिमाही में इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बैलेंस्ड प्रोडक्ट मिक्स, व्यापक पहुंच और विविधापूर्ण डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क तथा ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए इनोवेशन पर लगातार फोकस से यह विकास संभव हुआ है। पहली तिमाही में हमारे न्यू बिजनेस मार्जिन में 20.1 प्रतिशत, जबकि वैल्यू ऑफन्यू बिजनेस (वीएनबी) में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह नतीजा सक्रिय एवं रणनीतिक कदम की झलक दिखाता है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वास्थ्य मंत्री ने एड्स जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

5 हजार ग्राम पंचायतों में परामर्शदाताओं द्वारा आयोजित किया जाएगा संवेदीकरण कार्यक्रम

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रति वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य मे एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज अपने निवास कार्यालय से दो एचआईवी एड्स जागरूपता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जागरूकता अभियान के दौरान राज्य से 19 ऐसे जिले जहां एचआईवी के प्रति कम जागरूकता है वहां हर जिले में दो-दो जागरुकता वाहन को रवाना किया गया है। इन जिलों के सभी हाई तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में भी एचआईवी को लेकर जागरूकता फैलाने का काम किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए सभी जिलों में कला जत्था दलों द्वारा भी जागरूकता फैलाने का काम किया जाएगा। इसके साथ ही पूरे प्रदेश के निजी एवं शासकीय कालेजों में भी इस अभियान को शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य को एचआईवी पाजिटिव फ्री बनाने के उद्देश्य से दो अक्टूबर को राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में एचआईवी संक्रमितों से भेदभाव न करने हेतु शपथ लेने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 5 हजार ग्राम पंचायतों में काउंसिलिंग के द्वारा परामर्शदाताओं द्वारा संवेदीकरण का कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है और इसके साथ ही 70 इंटीग्रेटेड हैल्थ कैम्प के माध्यम से भी लोगों को जरूरी जांच सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी है कि राज्य में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के लिए 8 एआरटी केंद्र और 15 लिंक एआरटी केंद्र खोले गए हैं ताकि लोगों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल सके। वर्तमान में लगभग 20 हजार लोगों को निःशुल्क एआरटी दवाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं।

कृषि मंत्री नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सांसदों ने केन्द्रीय उर्वरक मंत्री से दिल्ली में की मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ को मिली डीएपी और यूरिया के अतिरिक्त आबंटन की मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर केन्द्रीय रासायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को यूरिया और डीएपी खाद की अतिरिक्त आबंटन की मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि केन्द्रीय रासायन एवं उर्वरक मंत्री से दिल्ली में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सांसदों ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ राज्य को यूरिया और डीएपी खाद की आपूर्ति के संबंध में चर्चा की।

कृषि मंत्री श्री नेताम और सांसदों ने राज्य के किसानों को खरीफ सीजन में रोपा-ब्यासी के समय पड़ने वाले खाद की अतिरिक्त आवश्यकता की जानकारी देते हुए उनसे खरीफ सीजन के लिए छत्तीसगढ़ को निर्धारित सप्लाई प्लान के अतिरिक्त 50-50 हजार टन यूरिया और डीएपी खाद आबंटित किए जाने का आग्रह किया है। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा इस पर छत्तीसगढ़ को अतिरिक्त खाद उपलब्ध कराने उर्वरक मंत्रालय अधिकारियों को निर्देशित किया।

केन्द्रीय उर्वरक मंत्री श्री नड्डा से मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री श्री नेताम और लोकसभा सांसद सर्वश्री संतोष पाण्डेय, श्री विजय बघेल, श्रीमती कमलेश जांगड़े और श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़ मार्कफेड प्रबंध संचालक श्रीमती किरण कौशल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में यूरिया और डीएपी खाद की आपूर्ति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के किसान मुख्य रूप से धान की फसल लेते हैं। खरीफ सीजन में किसान अगस्त-सितंबर माह में रोपा-बियासी का कार्य करते हैं। वर्तमान में रोपा-बियासी का काम तेजी से चल रहा है। इस समय धान के पौधों को तेजी से बढ़वार और बेहतर उत्पादन के मद्देनजर किसानों को इस समय ज्यादा फोस्फेटिक खाद की जरूरत पड़ती है।

कृषि मंत्री श्री नेताम और सांसदों ने केन्द्रीय उर्वरक मंत्री को बताया कि सप्लाई प्लान के अनुसार छत्तीसगढ़ को माह जुलाई तक यूरिया की 5.99 लाख तथा डी.ए.पी. की 2.68 लाख मेट्रिक टन आपूर्ति निर्धारित थी जिसके विरूद्ध यूरिया की 4.63 लाख तथा डी.ए.पी. की 1.61 लाख मेट्रिक टन मात्रा राज्य को प्राप्त हुई है। माह अगस्त के लिए यूरिया की 57,600 मेट्रिक टन तथा डी.ए.पी. की 36,850 मेट्रिक टन का सप्लाई प्लान निर्धारित है। चूंकि इन उर्वरकों की सर्वाधिक आवश्यकता अगस्त माह में होती है। इसलिए निर्धारित सप्लाई प्लान के अतिरिक्त यूरिया तथा डी.ए.पी. की 50-50 हजार मेट्रिक टन अतिरिक्त मात्रा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

खरीफसीजन में खाद भंडारण एवं वितरण - कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खरीफ वर्ष 2025 में भारत सरकार द्वारा उर्वरक यूरिया-07 लाख 12 हजार मेट्रिक टन, डी.ए.पी. 03 लाख 10 हजार मेट्रिक टन तथा एम.ओ.पी.-60 हजार मे.टन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध 11 अगस्त तक 06 लाख 72 हजार मे.टन यूरिया, 02 लाख 14 हजार मे.टन डी.ए.पी. तथा 80 हजार मे.टन एम.ओ.पी. का भण्डारण किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि डी.ए.पी. के प्रतिस्थापन के संबंध में वैकल्पिक उर्वरकों के रुप मेंएन.पी.के. 01 लाख 80 हजार मे.टन लक्ष्य के विरुद्ध 02 लाख 37 हजार मे.टन एवं एस.एस.पी. 02 लाख मे. टन लक्ष्य के विरुद्ध 02 लाख 95 हजार मे.टन का भण्डारण किया गया है। इसी प्रकार डी.ए.पी. की कमी की पूर्ति एन.पी.के एवं एस.एस.पी. उर्वरकों से की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का वार्षिक राजस्व बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हुआ; वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही में 777 .4 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया

नई दिल्ली: आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 30 जून, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी कर दिए। इस तिमाही में भी बैंक का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा। बैंक का वार्षिक राजस्व 3,000 करोड़ रुपये को पार कर गया, जिससे यह देश में सबसे ज्यादा तेजी से विकसित होते हुए डिजिटल बैंकों की कतार में आ गया। वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 27.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 777.4 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, वहीं शुद्ध लाभ 44.4 प्रतिशत बढ़कर 10.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। मजबूत ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस और ग्राहकों के बीच तेज एडॉप्शन के चलते EBITDA 30 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि दर्ज करते हुए बढ़कर 81.8 करोड़ रुपये हो गया। ग्राहक जमा राशि में साल-दर-साल 27.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 3,743 करोड़ रुपये तक पहुँच गई। बैंक की वार्षिक ग्रॉस मर्चेंडाईज़ वैल्यू 4,260 बिलियन डॉलर हो गई। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने यूज़र बेस के आधार पर भारत में तीसरे सबसे बड़े मोबाईल बैंक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर ली है, जिससे शहरी और ग्रामीण सेगमेंट्स में ग्राहकों की गहरी सहभागिता प्रदर्शित होती है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एमडी एवं सीईओ, अनुब्रत बिस्वास ने कहा, ''हमें वित्तवर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत करने की खुशी है। हमने सभी मुख्य प्रदर्शन के क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि दर्ज की है। 3,000 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक राजस्व प्राप्त करने की उपलब्धि हमारे बिज़नेस मॉडल की शक्ति और हमारे ऊपर ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। हम अपने सेफसेकंड एकाउंट के माध्यम से, डिजिटल बैंकिंग में सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाने के हमारे प्रयासों से डिजिटल बैंकिंग में मज़बूती से वृद्धि हो रही है। हम एक ऐसा डिजिटल बैंक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हर भारतीय के लिए सरल, सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध हो।'' बैंक के सेफसेकंड एकाउंट के ग्राहक लगातार बढ़ रहे हैं।

Škoda Auto ने Kylaq, Kushaq और Slavia के लिमिटेड एडिशन के साथ अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई

भारत में Škoda Auto के सफ़र को मज़बूत बनाने वाले #FansOfSkoda के नाम Kylaq, Kushaq और Slavia के नए स्पेशल लिमिटेड एडिशन के साथ 130 वर्षों की वैश्विक विरासत और भारत में 25 शानदार वर्षों का जश्न क एक कॉम्प्लीमेंटरी एक्सेसरीज़ किट जिसमें शामिल हैं: 360-डिग्री कैमरा, पडल लैंप, अंडरबॉडी लाइटिंग और बॉडी गार्निश भारत में अपनी 25वीं वर्षगांठ और वैश्विक स्तर पर 130 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए, Škoda Auto इंडिया ने अपने सबसे अधिक बिकने वाले मॉडल्स: Kushaq, Slavia और Kylaq के लिमिटेड एडिशन उतारे हैं। ख़ास, लिमिटेड एडिशन में ख़ास डिज़ाइन एन्हांसमेंट्स और प्रीमियम फ़ीचर्स शामिल हैं, साथ ही स्पेशल 25वीं वर्षगांठ का बैज भी है जो इस अहम पड़ाव और भारतीय बाज़ार के लिए ब्रांड की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लिमिटेड एडिशन मौजूदा हाई-स्पेसिफिक्क ट्रिम्स पर आधारित हैं।

रायपुर गारमेंट फेयर क्षेत्रीय फैशन की वृद्धि पर केंद्रित

रायपुर, रामा ग्रुप द्वारा विकसित प्रीमियम शॉपिंग डेस्टिनेशन 'रामा वर्ल्ड' ने रायपुर होलसेल होज़ियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित रायपुर गारमेंट फेयर 2025 के वेन्यू पार्टनर के रूप में भागीदारी की7 यह आयोजन ऑटम-विंटर सीज़न के लिए क्षेत्र का सबसे बड़ा और बहुप्रतीक्षित क्ब2क्क परिधान व्यापार एक्सपो माना जाता है। फेयर का यह चौथा सफल संस्करण था, जिसमें छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 2500+ कपड़ा खुदरा विक्रेताओं ने भाग लिया, साथ ही रायपुर के प्रमुख प्रदर्शक भी उपस्थित रहे। यह एक्सपो अब क्षेत्र में रिटेल नेटवर्किंग, फैशन ब्रांड्स और व्यापार विस्तार का एक महत्वपूर्ण प्लेटफ़ॉर्म बन चुका है। रायपुर गारमेंट फेयर को हर बार की तरह इस बार भी ब्रांड्स और बायर्स द्वारा भरपूर सराहना मिली। यह एक्सपो क्ब2क्क कॉमर्स को बढ़ावा देने और नए व स्थापित ब्रांड्स की पहचान को सशक्त करने में एक प्रभावी भूमिका निभाता है।

OPPO ने कूलिंग फैन के साथ भारत का एकमात्र स्मार्टफोन- OPPO Kvx Turbo Pro 5G और OPPO K13 Turbo 5G लॉन्च किया

नईदिल्ली। OPPO India ने OPPO K13 Turbo Series 5G पेश की है। इस सीरीज़ में दो स्मार्टफोन हैं, OPPO K13 Turbo Pro 5G और OPPO K13 Turbo 5G। ये बिल्ट-इन कूलिंग फैन के साथ आने वाले भारत के पहले स्मार्टफोन हैं, जो स्मार्टफोन थर्मल मैनेजमेंट में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन्हें शानदार परफॉर्मेंस और मल्टीटास्किंग के लिए डिज़ाईन किया गया है। इसलिए यह सीरीज़ गेमिंग, हैवी मल्टीटास्किंग, और लंबे समय तक आउटडोर इस्तेमाल के लिए उत्तम है। इसमें आधुनिक एक्टिव और पैसिव थर्मल डिज़ाईन, शक्तिशाली प्रोसेसर, और 80वॉट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग के साथ 7,000mAh की दमदार बैटरी दी गई है। यह 120हट्ज़् आई-फ्रेंडली ई-स्पोर्ट्स लेवल की फ्लैट स्क्रीन के साथ आता है। K13 Turbo Series भारी टास्क के लिए भी सतत और हाई-परफॉर्मेंस अनुभव प्रदान करती है। इसलिए यह आज के डायनामिक और परफॉर्मेंस पर केंद्रित युवाओं के लिए उत्तम सीरीज़ है। इस सीरीज़ के 8जीबी+128जीबी वैरिएंट शुरुआती मूल्य 27,999 रुपये तथा 8जीबी+256जीबी वैरिएंट का शुरुआती मूल्य 29,999 रुपये है। OPPO K13 Turbo 5G तीन रंगों - व्हाईट नाईट, पर्पल फैंटम, और मिडनाईट मैवेरिक में उपलब्ध होगा। OPPO K13 Turbo Pro 5G का शुरुआती मूल्य 8जीबी+256जीबी वैरिएंट के लिए 37,999 रुपये और 12जीबी+256जीबी वैरिएंट के लिए 39,999 है। यह सिल्वर नाईट, पर्पल फैंटम, और मिडनाईट मैवेरिक रेसिंग डिज़ाईन में उपलब्ध होगा। इन दोनों स्मार्टफोन की प्रि-बुकिंग 11अगस्त, 2025 से शुरू होगी। K13 Turbo Pro 5G की सेल 15 अगस्त, 2025से शुरु होगी, तथा K13 Turbo 5G की सेल 18 अगस्त, 2025 से शुरू होगी।

संपादकीय

गिल तारीफ के काबिल

भारतीय क्रिकेट अब रोहित और विराट के युग से आगे निकल कर गिल और गंभीर के युग में प्रवेश कर गई है। भारतीय युवा टीम ने इस कारनामे को शानदार ढंग से अंजाम दिया है। उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट सीरीज के ओवल में खेले आखिरी टेस्ट को जिस तरह से जीता है, उससे अहसास हो गया है कि टीम की कमान सही हाथों में है। सीरीज की शुरुआत से पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन के संन्यास लेने पर कहा जा रहा था कि युवा टीम की यह मुश्किल परीक्षा है। पर इस यंग ब्रिगेड न सिर्फ इस परीक्षा को उम्दा अंदाज में पास किया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि आने वाले दिनों में वह क्या करने वाले हैं। असल में चौथे टेस्ट को जिस तरह हार के कगार से बचा कर टेस्ट ड्रा कराया और फिर ओवल टेस्ट को जीतने से टीम का डीएनए क्या है, यह पता चलता है। इस यंग टीम की सबसे बड़ी खूबी यह दिख रही है कि वह मुश्किल से मुश्किल हालात में भी समर्पण करने में विश्वास नहीं रखती। टीम की यह सोच टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है। बहुत संभव है कि कप्तान शुभमन गिल से कुछ मौकों पर फैसलों में चूक हुई हो पर उन्होंने जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों को अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित किया और टीम को महत्त्वपूर्ण मौकों पर एकजुट रखा, उससे लगता है कि वह विराट और रोहित की तरह टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं। गिल इसलिए भी तारीफ के काबिल हैं कि उनकी सेना देशों में इससे पहले प्रदर्शन कोई बहुत अच्छा नहीं था और कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने पर उनका प्रदर्शन बिखर भी सकता था। पर उन्होंने अपने प्रदर्शन से हैरत में ही नहीं डाला बल्कि यह भी दिखाया कि कप्तानी का उनके ऊपर कोई दवाब नहीं है। इस सीरीज ने टेस्ट क्रिकेट को पांच दिनों का ही रखने की सोच को बल दिया है। असल में पिछले कुछ सालों में कई टेस्ट तीन-चार दिन में खत्म हो जाने पर टेस्ट मैचों को चार दिन का करने की चर्चा चलने लगी थी। पर इस सीरीज ने दिखाया कि दोनों टीमों में लड़ने का माद्दा हो और उन्हें अच्छे विकेट मुहैया कराए जाएं तो पांच दिनों तक टेस्ट में रोमांच बना रह सकता है। इस सीरीज के जिन चार टेस्ट मैचों में परिणाम निकला है, वे सभी चार दिन का टेस्ट होने पर ड्रा हो जाते। साथ ही, भारत और इंग्लैंड, दोनों ने ही बेहतरीन क्रिकेट खेल कर दिखाया कि टेस्ट क्रिकेट का कोई सानी नहीं है।

आदिवासी ही नहीं, गैर-आदिवासियों के दिलों पर भी दिशोम गुरु राज किया

अरविंद कुमार सिंह

देश के शीर्ष आदिवासी नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के समकालीन नेताओं में कई ऐसे हैं, जिन्होंने बहुत लंबी सत्ता का इतिहास बनाया और बहुत सी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन शिबू सोरेन के निधन के बाद दिल्ली और झारखंड में जो नजारा दिखा है, उसने साबित किया कि आदिवासी ही नहीं, गैर- आदिवासियों के दिलों पर भी उन्होंने राज किया। बचपन से लेकर आखिरी सांस तक उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा हिस्सा संघर्ष में ही बीता पर उन्होंने जल-जंगल-जमीन की जंग में जितनी लंबी लकीर खींची है, वहां तक पहुंच पाना बहुत कठिन है। दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन फिलहाल रामगढ़ के अपने पैतृक नेमरा की मिट्टी में विलीन हो गए पर उन्होंने आदिवासी संघर्ष में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है, उनकी अंतिम यात्रा में यह साफ दिखा। झारखंड की धरती महान नायक बिरसा मुंडा, बाबा तिलका मांझी, वीर बुधू भगत और सिदो-कानू जैसे नायकों की श्रेणी में आजादी के बाद के उनके कामों को भी शामिल करेगी। बहुत कंटीले रास्ते पर धारा के खिलाफ शिबू सोरेन का जो सफर आरंभ हुआ था, उसका समापन संतोष भरा था क्योंकि उन्होंने जिन विचारों पर अपनी राजनीति आरंभ की थी वह उनके जीवनकाल में बहुत विस्तारित हुई और उनकी अगली पीढ़ी ने उनकी विरासत को बखूबी संभाल लिया है। झारखंड को अलग राज्य बनाने में शिबू सोरेन के योगदान को तो सभी मानते ही हैं पर आदिवासी समुदाय में प्राकृतिक संपदा को बचाने और कुरीतियों के खिलाफ उन्होंने जो संघर्ष किया, वह बेमिसाल है। मैदानी इलाकों की तुलना में साधनविहीन इलाकों में राजनीति करना कठिन काम है पर वहीं काम करते हुए वे जंगल के महान नायक और गुरु जी के नाम से विख्यात हुए। महाजनी प्रथा और नशे के खिलाफ आदिवासियों तथा कमजोर तबकों के बीच उन्होंने जो संघर्ष किया वह भावी पीढ़ियों के लिए मिसाल रहेगा। झामुमो नेता हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री उनके ही बनाई संघर्षो की जमीन पर बने हुए हैं। शिबू सोरन के बचपन में ही पिता की हत्या हो गई तो मैट्रिकुलेशन तक ही उनकी शिक्षा हो सकी। लेकिन बचपन से ही वे गरीबों पर अत्याचार, अन्याय, नशाबंदी और महाजनी सिस्टम के खिलाफ मैदान में उतरे और लंबा संघर्ष करते हुए प्रांतीय और राष्ट्रीय राजनीति में अलग जगह बनाई। तीन बार वे झारखंड के मुख्यमंत्री बने लेकिन बहुत सीमित कालखंड के लिए। तीन बार केंद्र में मंत्री भी रहे। संसद के दोनों सदनों में रहे। मुखिया पद पर हार से उनकी राजनीति शुरू हुई और मुख्यमंत्री रहते हुए भी वे चुनाव हार गए तो राजनीतिक विरोधियों ने बहुत तंज कसा था। लेकिन उनकी राजनीति खत्म नहीं हुई। आखिरी सांस ली तो वे उच्च सदन के सदस्य थे। राष्ट्रीय स्तर की हैसियत बनाने के बाद भी उनके भीतर का गांव कायम रहा। तीन दशक से मैंने उनको करीब से देखा और निजी तौर पर भी उनसे पहचान रही। वे अपने मूल विचारों पर हमेशा कायम रहे। राजनीतिक समझौते भी किए तो उसकी परिधि में आदिवासियों की भलाई शामिल थी। बेशक, ऐसे नायकों के बारे में मीडिया एक अलग पूर्वाग्रह रखता है। इसीलिए शिबू सोरेन के जीते जी उनका उचित मूल्यांकन नहीं हुआ पर समाज को जगाने वाले नायक के रूप में उनकी अमिट पहचान इतिहास में दर्ज होगी। कम लोगों को पता है कि उन्होंने आदिवासी समाज की शिक्षा-दीक्षा से लेकर कुरीतियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। रात्रि पाठशाला चलाने के साथ उन्होंने शराब से लेकर कई कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने का काम किया। इस चेतना का जागरण भी किया कि बगैर अलग राज्य बने आदिवासियों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकेगा। इसीलिए इसके साथ भले ही छत्तीसगढ़ या उत्तराखंड राज्य बन गया हो लेकिन किसी राज्य के लिए लंबे संघर्ष का इतिहास केवल झारखंड का रहा है। 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना के बाद आदिवासियों का संघर्ष राष्ट्रीय क्षितिज तक दिखा और अन्य प्रांतों के लिए प्रेरक भी बना। झारखंड खनिज संपदा में देश का सबसे संपन्न राज्य है। भारत के स्वाधीनता आंदोलन में भी यह अग्रणी रहा था और एक दौर तक यहां कांग्रेस का वर्चस्व रहा।

आखिरकार ईरान की तरह पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को भी नेस्तनाबूद करने में आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा है भारत?

कमलेश पांडे

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित टाम्पा में पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने फिर एक धमकी भरा बयान दिया है। हालांकि उस पर भारत ने पलटवार करते हुए दो टूक कह दिया है कि किसी भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल के प्रभाव में नहीं आएंगे। दरअसल, फ्लोरिडा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र है। अगर हमें लगता है कि हम नीचे जा रहे है, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी नीचे ले जाएंगे।

इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जिस तरह से खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसे बयानों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को समझ सकता है। बयान में इस बात पर भी खेद जताया गया है कि ये टिप्पणी किसी तीसरे मित्र देश की धरती से की गई है।

इसलिए मेरी स्पष्ट राय है कि पाकिस्तान के साथ भारत को भी वही सुलूक करना चाहिए, जैसा कि इजरायल ने पिछले महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ किया था। चूंकि मुनीर इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। इसलिए उनकी इस क्षुद्र बयानबाजी के पीछे अमेरिकी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। रही बात इस्लामिक देशों के शह की तो उन्हें भी उसी परमाणु बम से मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिसकी धमकी बार-बार इंग्लैंड-अमेरिका का 'नाजायज औलाद' पाकिस्तान अक्सर देता आया है, यह बात उन्हें भी याद रखनी चाहिए। ऐसा करके भारत उनका सारा सांप्रदायिक भूत उतार सकता है। दरअसल मरता क्या नहीं करता वाली बात समान रूप से भारत पर भी लागू होती है।

काबिलेगौर है कि रूस-भारत की पारस्परिक समझदारी से परेशान अमेरिका की धरती से पहली बार किसी ने किसी तीसरे देश के लिए इस तरह धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा इसलिए कि अंतरराष्ट्रीय जगत को युद्धोन्माद की आड़ में हथियार व गोला-बारूद का निर्यात करने वाले अमेरिका को इसमें मजा आता है। हालांकि, अब जो भारत से उसे कड़ी टक्कर मिल रही है, उससे उसके हरामखोर मंसूबे पर पानी फिरता नजर आ रहा है। चूंकि पाकिस्तान के जन्म से 9/11 तक भारत विरोधी तमाम पाकिस्तानी कार्रवाइयों का प्रोत्साहक अमेरिका ही रहा है। लिहाजा मुनीर के बयान को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

मसलन, पहले लक्षित पहलगाम साम्प्रदायिक आतंकी हमला, फिर ऑपरेशन सिंदूर से अमेरिकी

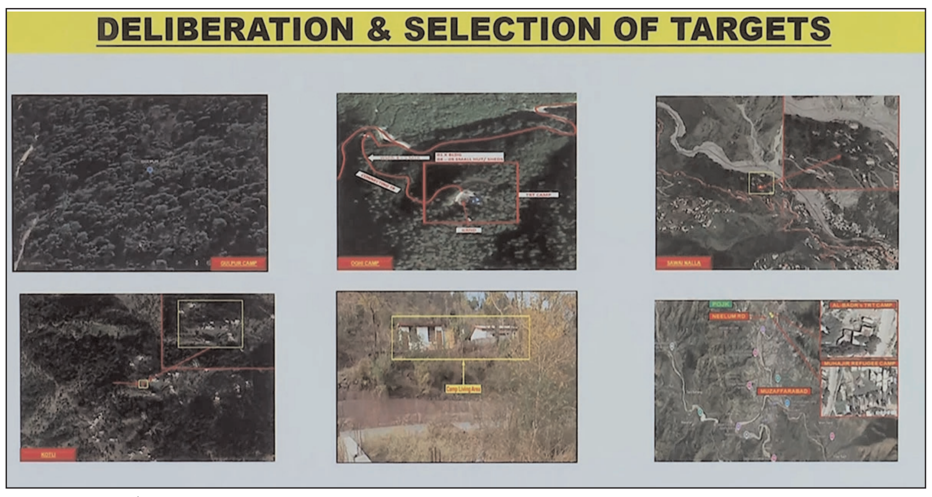

तिलमिलाहट और अब नई धमकी का लब्बोलुआब यह है कि वियतनाम से लेकर लीबिया तक पिट चुके अमेरिका ने विगत 4 वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह ही भारत-पाकिस्तान युद्ध और चीन-ताइवान युद्ध जैसा नया मोर्चा खोलने के सपने देख रहा है, ताकि रूस, भारत, चीन (आरआईसी) की अंतरराष्ट्रीय बर्बादी सुनिश्चित हो और अमेरिका-यूरोप की एशियाई बादशाहत बरकरार रहे।

तभी तो यह पहली बार है कि जब किसी सेना प्रमुख ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है। कहना न होगा कि मुनीर की बातें जितनी गैरजिम्मेदार हैं, उतनी ही चिंता बढ़ाने वाली भी। इसलिए पाकिस्तानी फन को समय रहते ही कुचल देना चाहिए और रूस-चीन का सहयोग लेकर उन तमाम अमेरिकी एशियाई अड्डों को भारत के कब्जे में कर लेना चाहिए, जिससे पाकिस्तान-बंगलादेश को अमेरिकी खाद-पानी मिलती आई है। मेरे विचार से यही दूरदर्शी रणनीति होगी। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, पीओके वापस नहीं मिला है, पाकिस्तानी परमाणु बमों पर अमेरिकी पहरा है, इसलिए आसेतु हिमालय में एक निर्णायक युद्ध के आगाज से नहीं हिचकना चाहिए। बल्कि इसी की आड़ में सारे छोटे छोटे पड़ोसी देशों का अस्तित्व मिटा देना चाहिए, ताकि भारत विरोधी ताकतें हमेशा अपनी औकात में रहें। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि पाकिस्तान के सिस्टम में सेना क्या भूमिका रखती है, यह सभी को मालूम है। भले ही वहां चुनी हुई सरकार हो, लेकिन फैसले सेना प्रमुख के ही होते हैं। यह कौन नहीं जानता कि नवोदित पाकिस्तान ने 1947 में ही कबाइलियों को आगे करके भारत के मस्तक जम्मू-कश्मीर को वापस लेना चाहा, लेकिन मात खाई। फिर 1965 और 1971 में भारत के हाथों करारी चोट मिली।चाहे 1999 का पाकिस्तानी कारगिल क्षद्म युद्ध हो या फिर 2025 का भारत द्वारा शुरू किया गया आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने पाकिस्तान को जो रणनीतिक मात दी, उससे उसकी अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती भी हुई।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत विरोधी कुचक्र चलाये रखना और आतंकवादियों को सहयोग देते रहना पाकिस्तान की पॉलिसी की तरह है। इसलिए हमें उसकी परमाणु युद्ध की धमकी से डरना नहीं चाहिए, बल्कि इजरायल की तरह ही ऐसा निर्णायक सैन्य ऑपरेशन चलाना चाहिए कि भारत अपना पुराना पाकिस्तानी भूभाग भी वापस ले ले और उसे उनकी नियति के अनुरूप भारतीय सैन्य शासन के तहत ही हमेशा रखे। ग्रेटर इंडिया के हित में ऐसा किया जाता बहुत जरूरी है। बदलते वक्त की मांग है।

यह ठीक है कि भारत ने परमाणु बम मामले में 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। वहीं, किसी गैर परमाणु शक्ति देश के खिलाफभी एटमी पावर नहीं दिखाई जाएगी। लेकिन, पाकिस्तान ऐसी किसी नीति से नहीं बंधा हुआ नहीं है जो हम सबके लिए फिक्र की बात है। जबकि मुनीर का मूर्खतापूर्ण अंदाज है कि 'हम अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डूबेंगे'। स्पष्ट है कि यह सबकुछ पाकिस्तान के असुरक्षित एटॉमिक डॉक्ट्रिन का नमूना है। इसलिए एहतियाती सावधानी बरतने में कोई कोर-कसर भी नहीं छोड़ना चाहिए।

सच कहूं तो पाक सेनाध्यक्ष मुनीर का बयान उकसाने वाला और शांति की जारी कोशिशों के खिलाफ है। क्योंकि उनके कथित बाप अमेरिका को यही पसंद है। यह घोर अंतरराष्ट्रीय विडंबना है कि उन्होंने इन बातों के लिए उस जगह को चुना, जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आधा दर्जन युद्ध रुकवाने का फर्जी दावा कर रहे हैं और जिनके लिए शांति का नोबेल मांगने वालों में पाकिस्तान भी है। दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसा किसी भी युद्ध में अमेरिका के शामिल नहीं होने का जो दावा किया था, उसकी अब पोल खुल रही है। मेरा मानना है कि उनका मकसद है अब अमेरिका सीधे युद्ध नहीं करेगा, बल्कि करवाने में हरसंभव सहयोग करेगा, जैसा कि यूक्रेनी खनिज संपदा हथियाने के लिए वह वहां कर रहा है। ऐसा ही अन्य देशों में भी वह करेगा।

चूंकि अब उनकी नजर पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित बेशकीमती खनिज संपदा पर है, इसलिए अब उसे भारत के खिलाफउकसा रहे हैं। उन्हें यह भी पता है कि पाकिस्तान अब चीन के शरणागत है। इसलिए उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान से रिश्ते सुधरते ही चीन के साथ उनके पुराने रिश्ते सुधर जाएंगे। इससे उन्हें भारत-रूस की कूटनीतिक लगाम कसने में सुविधा होगी। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यह आम बात नहीं हो सकती कि मुनीर दो महीने के भीतर दूसरी बार अमेरिका की यात्रा पर हैं। इन दो महीनों के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी बदलाव आया है, क्योंकि ट्रंप को अब इस्लामाबाद के रूप में एक प्रमुख क्षेत्रीय सहयोगी दिख रहा है। यह कड़वा सच है कि पाकिस्तान को पुन: मजबूत करके भारत पर पुन: हमला करवाने के लिए ही तो ट्रंप ने सीज फायर करवाया था, जैसा कि वो दावे पर दावे करते आये हैं। इसलिए अब पाकिस्तान के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय खलनायक अमेरिका का भी माकूल इलाज सुनिश्चित करवाने का समय आ गया है। इसके लिए भारत को भी कूटनीतिक प्रयास तेज करने होंगे और अमेरिकी दुश्मनों को दिल्ली बुलाकर अमेरिका को सख्त संदेश देना होगा।

यही वजह है कि मुनीर के बयान का भारतीय विदेश मंत्रालय ने सही जवाब दिया है। वह यह कि जिस देश में सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हो, वहां परमाणु कमांड और कंट्रोल की विश्वसनीयता पर संदेह होना स्वाभाविक है। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह भी साफसाफकहा है कि भारत किसी न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी सरकार का यही रुख था। वहीं, अब वक्त आ चुका है कि मुनीर के बयान का इस्तेमाल भारत को पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने और उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए करना चाहिए।

सवाल है कि जैसे इजरायल-अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को तहस नहस कर दिया, उसी तरह से भारत-रूस पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को भी नेस्तनाबूद करने में आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहे हैं? क्या उनमें दृढ़ इच्छा शक्ति की कमी है या चीन आड़े आ रहा है? सोचने और निर्णायक कदम उठाने की बात है। यदि इससे तीसरा विश्व युद्ध शुरू भी हो जाये तो डरना नहीं चाहिए। इसमें भारत को इजरायल का साथ भी मिल सकता है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए 50त्न टैरिफकी घोषणा के बीच सरकार के दो मंत्रालयों के शीर्ष अफसरों ने संसदीय समिति को ब्रीफकिया। जैसा कि समिति के चेयरमैन शशि थरूर ने बताया कि बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पैनल को बताया कि अमेरिका से रिश्ता काफी अहम है और व्यापार सिर्फ इसका एक हिस्सा है। क्या ट्रेड डील को लेकर 25 अगस्त को प्रस्तावित बैठक के लिए अमेरिकी वार्ताकार भारत आ रहे हैं? इसके जवाब में थरूर ने कहा कि अब तक की जानकारी के मुताबिक इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। अमेरिका से अभी रिश्ते अच्छे है। मीटिंग में पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के हालिया विवादित बयान को लेकर भी जानकारी दी गई। इसलिए भारतीय प्रशासन को भी ठोक बजाकर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि प्रेम और युद्ध साथ साथ सम्भव नहीं है।

डॉनल्ड ट्रंप भारत के इतने खिलाफ क्यों हो रहे हैं

अजय दीक्षित

एक सप्ताह से यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ बार कर रहे हैं और आज उन्होंने टैरिफ को बढ़ा कर पच्चीस से पचास फीसदी कर दिया है ये उन वस्तुओं पर लगेगा जो भारत अमेरिका को निर्यात करेगा पहले ये दस फीसदी था । उल्लेखनीय है भारत अमेरिका को 84 अरब डॉलर का प्रति वर्ष निर्यात करता है जिसके बदले में अमेरिका से 47 अरब डॉलर कीमत का आयत करता है जिसमें लोहा सीमेंट, रक्षा उपकरण, हेलीकॉप्टर, आदि शामिल हैं जबकि भारत अमेरिका में डेयरी उत्पाद, टेक्सटाइल,कपास, जुट, आदि निर्यात करता है। भारत क्रूड ऑयल सऊदी अरब,रूस, कुवैत, इराक,ईरान,से खरीद रहा है।रूस से प्रति महीने 1.1लाख बैरल क्रूड ऑयल खरीद रहा है जो भारत की जरूरत का 40 फीसदी के आसपास है बस यही से विवाद शुरू हुआ है। अमेरिका का कहना है कि भारत रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने में लगा है और रूस यूक्रेन युद्ध को बंद नहीं कर रहा है।3 वर्ष से अधिक से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध को बंद कराने के कई प्रयास कर लिए। अमेरिका के राष्टपति डॉनल्ड ट्रंप को युद्ध विशेषज्ञों ने बताया है कि रूस यूक्रेन को पूरा कब्जा कर ले गा तभी युद्ध समाप्त होगा चाइना तो भारत से भी अधिक क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। देखिए अब विश्व का राजनीतिक पारदर्श बदल रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और विक्रम मिश्री सात दिन से चीन में है । और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाइना जाने वाले हैं।विदेश मंत्री एस जयशंकर भी चाइना में आज सी जिंग पिंग से मिले हैं। अमेरिका के खिलाफ पूरे विश्व में गोलबंदी हो रही है। यूरोपीय देशों ने नाटो से मुंह मोड़ लिया है क्योंकि अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेनी राष्टपति जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर फटकार लगाई थी।दरअसल अमेरिका के राष्टपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति किसी को समझ में ही नहीं आ रही है कभी भारत पर आरोप लगाते हैं कि रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है और कभी यूरोपीय देशों को फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया,पर टैरिफ बढ़ा कर उन्हें नेस्तनाबूद करने को धमकी देते हैं। डॉनल्ड ट्रंप का पहला कार्यकाल इतना उलझा नहीं था और न किसी अमेरिकन राष्टपति का रहा है।

जबकि यूरोपीय देशों गैस, क्रूड ऑयल, रूस से खरीद रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप की दोहरी नीति गाजा को लेकर है वहां इज़राइल गाजा में भूखे पॉलिस्टिनो पर उस समय हमला कर रहा है जब वह खाने पीने का सामान लेने जा रहे हैं। लेकिन तब अमेरिका का मानव अधिकार संगठन चुप बैठ जाता है। कुल मिलाकर डॉनल्ड ट्रंप का ऐसे पहले राष्टपति है जो नित नई नीति घोषित कर ते हैं। भारतीय औद्योगिक क्षेत्र के जानकार श्री हीरा चंदानी ने कहा कि भारत इस समय विश्व की सबसे अधिक बढ़ती अर्थ व्यवस्था है और उसका जीडीपी 6.4 के आसपास है तो डॉनल्ड ट्रंप ने जो कहा है कि भारत डूबती अर्थ व्यवस्था है यह गलत है।अभी ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर स्टारमर ने कहा कि भारत ब्रिटेन की गिरती अर्थ व्यवस्था में मदद कर सकता है। अमेरिका के राष्टपति ने अकेले भारत पर ही नहीं ब्राजील,साउथ कोरिया, चाइना पर टैरिफ बढ़ाए हैं क्योंकि भारत, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, इटली,ही सर्वाधिक निर्यात करते हैं।

बाएं हाथ की शक्ति और पहचान

हर वर्ष 13 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय बाएं हाथ वाले लोगों का दिन (ढ्ढठ्ठह्लद्गह्म्ठ्ठड्डह्लद्बश्ठ्ठड्डद्य रुद्गद्धह्ल ।ड्डठ्ठस्त्रद्गह्म्ह्य ष्ठड्ड4) मनाया जाता है। यह दिन उन लोगों के लिए विशेष रूप से समर्पित है जो अपने बाएं हाथ का अधिक उपयोग करते हैं। इस दिन का उद्देश्य बाएं हाथ वाले लोगों की विशिष्टता को पहचानना और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाना है।

इतिहास और शुरुआत- अंतर्राष्ट्रीय बाएं हाथ वाले लोगों का दिन पहली बार 1976 में मनाया गया था। इसकी शुरुआत 'लेफ्ट हैंडर्स इंटरनेशनल' नामक संस्था द्वारा की गई थी। डीन आर. कैंपबेल ने इस दिन की स्थापना की थी ताकि बाएं हाथ के इस्तेमाल करने वाले लोगों की समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।

बाएं हाथ वाले लोगों की संख्या- दुनिया की लगभग 10-12त्न आबादी बाएं हाथ का अधिक उपयोग करती है। यह एक प्राकृतिक विशेषता है जो जन्म से ही व्यक्ति में होती है। वैज्ञानिक अनुसंधानों के अनुसार, यह मस्तिष्क की संरचना और न्यूरल कनेक्शन से संबंधित है।

सामाजिक चुनौतियां- बाएं हाथ वाले लोगों को दैनिक जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। व्यावहारिक समस्याओं में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अधिकतर उपकरण और वस्तुएं दाएं हाथ के लिए डिज़ाइन की जाती हैं। कैंची, कलम, कंप्यूटर माउस, गिटार जैसी चीजों का उपयोग करना इनके लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कठिनाइयां होती हैं क्योंकि स्कूलों में डेस्क, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर दाएं हाथ वाले छात्रों के लिए बनाए जाते हैं। लेखन के दौरान स्याही लगने और हाथ मोड़कर लिखने की समस्या भी आम है। सामाजिक पूर्वाग्रह भी एक गंभीर मुद्दा है जहां कुछ समाजों में बाएं हाथ के उपयोग को अशुभ माना जाता है और बचपन में कई बच्चों को जबरदस्ती दाएं हाथ से लिखने के लिए मजबूर किया जाता है।

बाएं हाथ वाले लोगों की विशेषताएं- वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि बाएं हाथ वाले लोगों में कुछ विशेष गुण होते हैं। रचनात्मकता के क्षेत्र में ये लोग अधिक रचनात्मक और कलात्मक होते हैं क्योंकि मस्तिष्क का दायां हिस्सा अधिक सक्रिय होने से कल्पनाशीलता बढ़ती है। इनमें बहुआयामी सोच की क्षमता होती है और ये समस्याओं को अलग नजरिए से देखने में सक्षम होते हैं। नवाचार के क्षेत्र में भी इनका प्रदर्शन बेहतर होता है। खेल के क्षेत्र में कई बार बाएं हाथ वाले खिलाड़ियों का फायदा होता है क्योंकि विरोधी टीम उनकी रणनीति के आदी नहीं होती।

प्रसिद्ध बाएं हाथ वाले व्यक्तित्व- इतिहास में कई महान व्यक्तित्व बाएं हाथ वाले थे जिनमें लियोनार्डो दा विंची (कलाकार और आविष्कारक), अल्बर्ट आइंस्टाइन (वैज्ञानिक), बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक), ओबामा (पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति), अमिताभ बच्चन (भारतीय अभिनेता), और सचिन तेंदुलकर (क्रिकेटर) शामिल हैं। इन सभी व्यक्तित्वों ने अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण सफलता पाई है और यह साबित किया है कि बाएं हाथ का उपयोग करना कोई कमी नहीं बल्कि एक विशेषता है।

दिन का महत्व- इस दिन का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना है। लोगों को यह समझाना कि बाएं हाथ का उपयोग करना कोई कमी या दोष नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक विविधता है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जहां बाएं हाथ वाले लोगों की उपलब्धियों को सराहा जाता है।

भविष्य की दिशा- आज के युग में तकनीक और डिज़ाइन में सुधार हो रहा है। कई कंपनियां बाएं हाथ वाले लोगों के लिए विशेष उत्पाद बना रही हैं। शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव आ रहा है जहां बच्चों को उनकी प्राकृतिक प्राथमिकता के अनुसार विकसित होने दिया जा रहा है।

बाएं हाथ वाले लोगों का दिन न केवल एक उत्सव है बल्कि समाज में समानता और स्वीकृति का संदेश भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानवीय विविधता ही हमारी शक्ति है। हमें सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और उनकी प्राकृतिक विशेषताओं का सम्मान करना चाहिए। बाएं हाथ वाले लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रमाण दिया है और समाज को समृद्ध बनाया है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उनकी चुनौतियों को समझें और एक समावेशी समाज का निर्माण करें।

- वासवी राजू बरडे, नागपूर, महाराष्ट्र

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्र जैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्र कॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

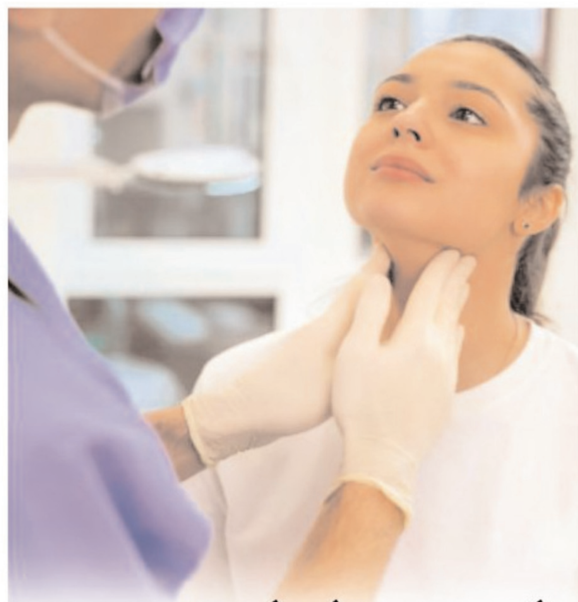

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

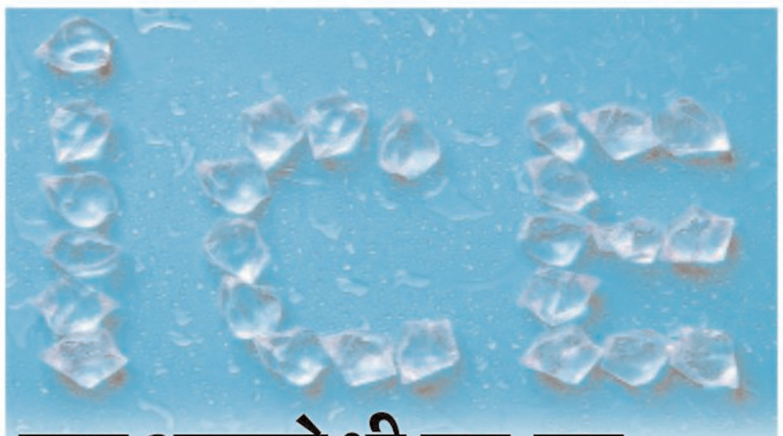

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

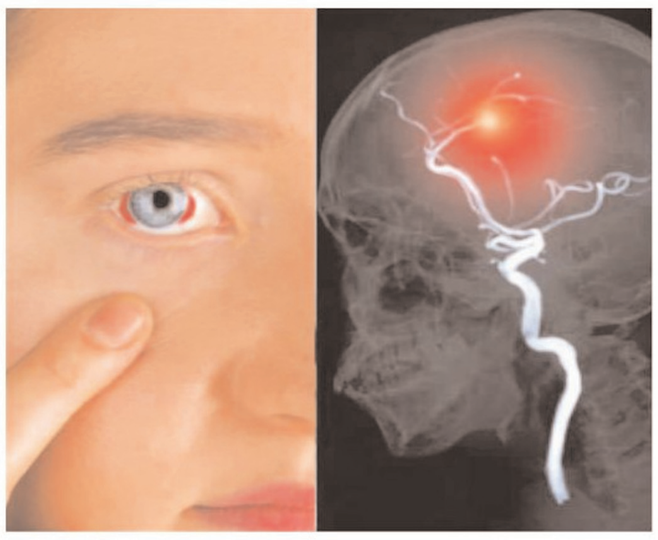

करनौद में स्कूटी में हुए आगजनी का सीसीटीवी फुटेज से होगा खुलासा,बिर्रा पुलिस जांच में जुटी

जांजगीर,बिर्रा (समय दर्शन)। करनौद में स्कूटी में आगजनी मामले का खुलासा सीसीटीवी फुटेज से होगा,कुछ संदिग्ध से पुलिस ने पुछताछ भी कि हैं,अब मामले कि जांच बिर्रा पुलिस ने तेज कर दी है।

गौरतलब हो कि बिर्रा थाना क्षेत्र के करनौद में रेत माफियाओं द्वारा पत्रकार के साथ मारपीट किया गया था जिसपर एफआईआर भी दर्ज कि गई,वही पूरे मामले में एक और मोड़ सामने आया जब एक स्कुटी को रात में अज्ञात लोगों द्वारा जला दिया गया,जिसपर बिर्रा थाना में एफआईआर दर्ज हुई है। वही स्कुटी में आगजनी मामले में बिर्रा पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज से मामले का हो सकता है खुलासा

स्कूटी में आगजनी मामले का खुलासा सीसीटीवी फुटेज से हो सकता है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक पेट्रोल टंकी से कुछ लोग रात को ही बॉटल में पेट्रोल ले जाते नजर आ रहे हैं,इसी आधार पर कुछ युवकों से पुलिस ने पुछताछ भी कि है,वही सूत्रों का कहना है कि पूरे रूट का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को चेक करना चाहिए जिससे मामले का खुलासा हो सके बहरहाल बिर्रा पुलिस ने मामले कि जांच तेज कर दी है।

स्कूटी में आगजनी कर या पत्रकार को फंसाने कि थी साजिश?

वही पत्रकार के साथ मारपीट के बाद ही एक स्कूटी का अज्ञात लोगों द्वारा जलाना इससे सवाल यह उठता है कि क्या आगजनी के बहाने पत्रकार को फंसाने कि साजिश तो नहीं थी,वही विश्वासत सूत्रों ने बताया कि कुछ रेत माफियाओं द्वारा यह कारनामा किया गया जो सीसीटीवी कैमरे में पेट्रोल लेते भी नजर आ रहे हैं,वहीं अब चौतरफा अपने आप को फंसता देख नेताओं के शरण में पहुंचकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। वही पुलिस को चाहिए कि सीसीटीवी फुटेज निकलकर उसमे दिख रहे संदिग्ध व्यक्तियों को पुछताछ कर मामले का खुलासा किया जाये।

तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का सैलाब

शहीद भृगुनंदन चौधरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण,परिवार को किया सम्मानित

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार,भाजपा मंडल बिंद्रानवागढ़ द्वारा मंगलवार को आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मोटरसाइकिल रैली का शुभारंभ जिला भाजपा कार्यालय से हुआ,जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।रैली के शुभारंभ अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू,भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर,पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय,डमरूधर पुजारी,चंद्रशेखर साहू,जिला उपाध्यक्ष प्रीतम सिन्हा एवं मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।सभी ने तिरंगा लहराकर देशभक्ति का संदेश दिया।मोटरसाइकिल रैली राष्ट्रीय ध्वज से सजे वाहनों और जोशीले नारों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए विश्व प्रसिद्ध शिवलिंग भूतेश्वर नाथ महादेव पहुँची,जहाँ कार्यकर्ताओं ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद रैली ग्राम सढ़ौली पहुँची,जहाँ शहीद भृगुनंदन चौधरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने शहीद के परिवार को सम्मान स्वरूप शाल और श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया।कार्यक्रम में महिला मोर्चा, युवा मोर्चा सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के साथ गगन भेदी देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गुंज उठा।

शास.उच्च.माध्य. विद्या.कोलिहादेवरी में छात्र परिषद का गठन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोलिहादेवरी में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु विभिन्न गतिविधियों के सुचारू एवं सफल संचालन तथा छात्र-छात्राओं में नेतृत्व गुणों के विकास के उद्देश्य से छात्र परिषद का गठन प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के माध्यम से किया गया।

निर्धारित तिथि तक सभी इच्छुक प्रत्याशियों ने अपना नामांकन प्रस्तुत किया। निर्वाचन दिवस पर विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सभी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विद्यालय मे सम्पन्न छात्रसंघ चुनाव गतिविधि से विद्यार्थी लोकतंत्र की मतदान प्रक्रिया को भलीभाँति समझ पाए। चुनाव परिणाम इस प्रकार रहे — शालानायक: रितु साहू, उप शालानायक: कृष्णा यादव, छात्रा प्रतिनिधि: रश्मि डड़सेना, क्रीड़ा सचिव: शिवानी बरिहा, सांस्कृतिक सचिव: दीप्ति सिदार, अनुशासन सचिव: भारत साव, पुस्तकालय सचिव: तेज कुमार बरिहा, स्वच्छता सचिव: विनीता चौहान, इको क्लब सचिव: कौशल्या राणा, खोया-पाया सचिव: पूनम भोई.

विशेष उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में बालिकाओं ने बाजी मारते हुए कुल दस में से सात पद अपने नाम किए। संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया में विद्यालय के समस्त व्याख्याताओं का योगदान सराहनीय रहा। निर्वाचित पदाधिकारियों को संस्था के प्रभारी प्राचार्य डी. के. बारीक ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और उन्हें स्वयं अनुशासित रहते हुए अन्य छात्र-छात्राओं को अनुशासन की प्रेरणा देने का आह्वान किया।

छात्र परिषद गठन प्रभारी, व्याख्याता बी. के. भोई ने निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन किया और सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

भूपेश सरकार की योजनाएं दूरदर्शी एवं जनहितैषी थी-अशोक साहू

पाटन क्षेत्र सहित सिपकोना माइनर से सिंचाई के लिए पानी की मांग उठी

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर, महेंद्र वर्मा ने सौंपा ज्ञापन!

पाटन अनुविभागीय अधिकारी के नाम से आवेदन सौपा

पाटन (समय दर्शन)। विकास खण्ड पाटन क्षेत्र के ग्रामो में अल्प वर्षा के कारण खेत अब सूखने लगी है।

मिली जानकारी के अनुसार पाटन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने लगातार सरकार व जल ससाधन विभाग को 15 दिन पूर्व तांदुला बांध से किसानों को सिंचाई के लिए पानी की मांग का ज्ञापन देने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के द्वारा रानीतराई बंगला में ज्ञापन सौंपा गया था।लेकिन किसान विरोधी साय सरकार एवं विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते आज तक कोई भी जलाशय या डेम से पानी छोड़ने की अनुमति नहीं मिला।अगर आगे यही स्थिति रही तो किसानों की फसल चौपट होने में देर नहीं लगेगी। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने गौमाता की सेवा, सुरक्षा एवं फसल की चराई,दुर्घटना से बचाव के लिए गौठान योजना शुरू किए थे,साय सरकार ने पुन: प्रारंभ करते हुए गौधाम योजना के नाम से संचालन की घोषणा की है जिसका छत्तीसगढ़वासी एवं किसान स्वागत करते है।लेकिन छत्तीसगढ़ में संचालित लगभग दस हजार गौठानो को पूरी तरह संचालित करें।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि दक्षिण पाटन का सिपकोना माइनर एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा माइनर है।बड़ा माइनर होने के कारण का अंतिम छोर तक पानी पहुंचने के लिए विभाग को सतर्कता से कार्य करने की आवश्यकता होती है।लेकिन विभाग की निष्क्रियता के कारण किसानों को तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र वर्मा ने विष्णु सरकार द्वारा किसानों को डीएपी खाद के बाद अब यूरिया,पोटाश की संकट पैदा कर दी है।बीजेपी का सुनियोजित तरीके से सोसायटी में उपलब्धता के बजाय खुले बाजार में मुनाफाखोरी को बढ़ावा देना है।

किसान संतोष पटेल ने कहा कि रोपाई का काम हो चुका है लेकिन पानी नहीं होने के कारण फसल सुखने लग गया है।भेदप्रकाश वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए करोड़ों रुपए के सिंचाई योजना खपरी,कौही,सिपकोना माइनर की सुदृढ़ीकरण का कार्य किए थे।जिसका लाभ आम जनता एवं किसानों को तत्काल मिलना चाहिए। इस दौरान देवेंद्र चंद्रवंशी, दिनेश साहू,भविष्य जैन,नीरज सोनी,आनंद बघेल उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाने झेरिया यादव समाज का बैठक

बसना(समय दर्शन)। बसना सरायपाली लेरिया यादव समाज के तत्वावधान में शहर बसना के कलार धर्मशाला में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाने महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत समाज के इष्टदेव भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना से की गई। जिसके पश्चात आगामी कृष्ण जन्मोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि जन्मोत्सव के अवसर पर राउत नाचा, कर्मा, सुआ, भगवत, कीर्तन जैसे पारंपरिक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को और भव्य बनाने के उद्देश्य से सभी समितियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। फूलझर राज झेरिया यादव समाज के केंद्रीय अध्यक्ष जगतराम यादव ने कहा कि इस बार का कृष्ण जन्मोत्सव पहले से भी अधिक भव्य और संगठित रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि: प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके पश्चात अतिथियों के आगमन पर दीप प्रज्वलन व स्वागत उद्बोधन होगा। तत्पश्चात नगर में भव्य रैली निकाली जाएगी, जिसमें दही-हांडी कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। रैली के उपरांत महाभंडारा और प्रसाद वितरण किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से जगतराम यादव,गंगाधर यादव,बालकराम यादव,खुलूराम यादव, विक्रम यादव, पियारी यादव, नरेंद्र यादव, सतीश यादव, अलेखराम यादव, कुंजराम यादव, गजानंद यादव, जोतराम यादव, रंजीत यादव एवं ओमप्रकाश यादव, एवं युवा प्रतिनिधि एवं महिला सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने जन्मोत्सव को समाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और सहयोग का प्रतीक बताते हुए इसे सफल बनाने का संकल्प लिया।

निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों की जांच, पायी गयी कई अनियमितताएं

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2013 एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखण्ड मुख्यालय लोरमी अंतर्गत निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों की जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि जांच के दौरान जे.के. हॉस्पिटल में नर्सिंग होम एक्ट के मानक के अनुरूप संचालन नहीं होने, ड्यूटी चिकित्सक की अनुपस्थिति तथा 23 जुलाई को लाईसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद भी मरीज भर्ती कर ऑपरेशन थियेटर का संचालन करना पाया गया, जिस पर संचालक को लाईसेंस मिलने तक ओटी का संचालन नहीं करने के निर्देश दिए।

इसी तरह साहू मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में नर्सिंग होम एक्ट के मानक के अनुरूप संचालित नहीं होना तथा ऑपरेशन किए गए मरीजों के केश सीट में निश्चेतना विशेषज्ञ का हस्ताक्षर नहीं होने के साथ ही आईसीयू भी मानक अनुरूप नहीं पाया गया। शांति पाठक हॉस्पिटल में रेडियोलॉजिस्ट अनुपस्थिति में अन्य चिकित्सक द्वारा सोनोग्राफी किया जा रहा था। उक्त अनियमितताओं को सुधारने तथा नियमानुसार हॉस्पिटल का संचालन करने के निर्देश संचालकों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान नर्सिंग होम एवं पीसीपीएनडीटी के जिला नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार, जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रशांत ठाकुर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-खबर

बंसुला चौक में भीषण सड़क हादसा, युवक की मौके पर

बसना(समय दर्शन)। बसना बंसूला पदमपुर रोड स्थित बंसुला चौक के पास देर रात एक ईको कार ने सड़क किनारे खड़े युवक को अपने चपेट मे लेगा लिया । सड़क के किनारे लगे गुलमोहर के पेड़ को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतना जबरदस्त था कि,पेड़ का डंगाल टूटकर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन चालक लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चला रहा था। जो बहुत तेज गति से 100 मीटर दूर से लहराता हुआ आया और सड़ क किनारे लगे गुलमोहर की पेड़ के साथ ही सड़क के किनारे खड़े युवक को भी अपने चपेट ले लिया ।इस भीषण टक्कर मे सडक किनारे खड़े युवक की घटनास्थल मे ही मौत हो गयी। चालक ने अपना नाम अजय अग्रवाल पिता विष्णु अग्रवाल बसना के रहने वाला बताया है।

इस दर्दनाक हादसे में बसंत साव के पुत्र विक्रम साव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पंचनामा एवं पी एम पश्चात शव को परिजनों को शौंपा।

कार्य में लापरवाही बरतने पर आवास मित्र को किया गया सेवा से मुक्त

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत कार्य में लापरवाही बरतने पर जनपद पंचायत पथरिया के आवास मित्र मनीष कुमार डहरिया को सेवा से मुक्त कर दिया है। ग्राम पंचायत दौना के आवास मित्र डहरिया को ग्राम पंचायत दरूवनकापा एवं नगपुरा के लिए आवास मित्र के रूप में नियुक्त किया गया था। जारी आदेश के अनुसार कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर पहले भी कई बार उन्हें नोटिस जारी किया जा चुका है। नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर डहरिया को आवास मित्र मानव संसाधन के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सोनी एजुकेशन हब के प्रशिक्षित 5 बच्चे नगर सेना भर्ती में हुए चयनित

सारंगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के कोसीर में संचालित सोनी एजुकेशन हब लगातार बच्चों को कई प्रतिभागी परीक्षा और फिजिकल ट्रेनिंग की तैयारियां कराते है जहां के बच्चे अब अपना भविष्य सावर रहे है आपको बता दे छत्तीसगढ़ नगर सेना में 5 बच्चों का नाम चयन हुआ है यह सिर्फ बच्चों और उनके माता पिता के लिए गर्व नहीं बल्कि उस प्रशिक्षण केंद्र की भी सफलता का हिस्सा है जहां से बच्चों ने ट्रेनिंग ली है

वही आपको बता दें कि ग्राम कोसीर में संचालित सोनी एजुकेशन हब छत्तीसगढ़ के छात्रों ने बाजी मारी है जिसमें से पांच अभ्यर्थियों ने यह सफलता हासिल की कोसीर से ही दो छात्र विद्यासागर बंजारे चंद्रिका कोसले तथा वहीं पड़ोसी गांव मुंडवाभाठा से दो सगी बहनों ने खुशबू जांगड़े और जामीनी जांगड़े,और पास के ही गांव कुम्हारी से उमेश्वरी साहू ने भी यह सफलता हासिल की है वहीं आपको बताते की छात्रों की चेहरे पर खुशी साफ झलक रहा है छात्रों से बात करने पर उन्होंने बताया कि कड़ी मेहनत और लगन के साथ सही मार्गदर्शन और सही दिशा में तैयारी करने से सफलता को प्राप्त किया जा सकता है इस सफलता से क्षेत्र में और अंचल में काफी खुशी का माहौल है आपको बता दें की लाखों की संख्या में आपके प्रतिद्वंदी क्यों न हो लेकिन अगर आपके अन्दर सच्ची लगन हो तो सफलता हासिल कर सकते है ये उदाहरण बच्चों ने क्षेत्र की युवाओं के लिए दिया है इनके सफलता से क्षेत्र में और भी युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

मिनीमाता नारी शक्ति की आदर्श- विजय बंजारे

तमोरा में मनाई गई मिनी माता की 54 वीं पुण्यतिथि

महासमुन्द(समय दर्शन)। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज खट्टी परिक्षेत्र के मार्गदर्शन में आदर्श ग्राम तमोरा में अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम महिला सांसद एवं गुरूमाता मीनाक्षी देवी जो मिनीमाता के नाम से विख्यात थीं, की 54 वीं पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष दाऊ विजय बंजारे के मुख्य अतिथि व सियाराम साहू सरपंच तमोरा के अध्यक्षता व जिला सचिव रेखराज बघेल,मेहत्तर टंडन समाज प्रमुख, मनीराम ध्रुव अध्यक्ष ग्राम विकास समिति, कृष्ण कुमार नारंग अध्यक्ष खट्टी परिक्षेत्र, प्रमोद साहु सरपंच धरमपुर,श्रीमती अनिता मारकंडेय पंच के विशेष आतिथ्य में मनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिलाध्यक्ष दाऊ विजय बंजारे ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि, जिस समय महिलाओं को स्वतंत्र रुप से काम करने की आजादी नहीं थी,घुंघट प्रथा प्रचलित थी, उस समय मिनी माता असम से छत्तीसगढ़ व गांव से निकल कर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर दिल्ली के संसद भवन में पहुंच कर अविभाजित मध्यप्रदेश के नारी शक्ति को जागृत किया तथा अस्पृश्यता उन्मूलन कानून व महिलाओं के अधिकार संबंधित कानून बनाने में अहम् भूमिका निभाई। सरपंच सेवा राम साहू ने कहा कि मिनी माता समुचे मानव समाज के लिए कार्य किये हैं,उनके त्याग,बलिदान गाथा को जीवंत रखने छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का नाम मिनी माता के नाम से भूतपूर्व अजीत जोगी के शासनकाल में रखा गया था। रेखराज बघेल ने मिनी माता के जीवन परिचय के साथ उनके सामाजिक संघर्षों पर ऐतिहासिक प्रकाश डालते हुए महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की अपील की। इस अवसर पर श्रीमती मीना टंडन पूर्व सरपंच व श्रीमती अनीता मारकंडेय पंच को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। सतनाम भजन मंडली असतो म सतगमय के कलाकारों ने गीत संगीत से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।कृष्ण कुमार नारंग ने आभार व्यक्त किया और मंच संचालन खोमन मारकंडेय ने किया। कार्यक्रम में देव कुमार जोशी सचिव खट्टी अठगंवा, महेश जोशी युथ ब्लॉक अध्यक्ष महासमुंद, गोविंद बेनर्जी, चोलेश्वर मारकंडेय,मोहन बंजारे,चैतराम मांडले,किरन पटेल,शत्रुहन साहु, मनोज निषाद,डोमन विश्वकर्मा लालाराम, सिया राम , कुलेश्वरी,बुधिया, परमिला, कुंती मारकंडेय, सांडे,रामानंद,भेखराम, पुरुषोत्तम मारकंडेय,लालाराम घृतलहरे, गोविंद बेनर्जी,मनोज निषाद आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस के लिए जिम्मेदारी दी गई है।उस पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस गरीमामय ढंग से मनाया जायेगा। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने आमंत्रण कार्ड,मैदान की तैयारी,बैरेकेटिंग,रिहर्सल,विद्युत व्यवस्था,साफ-सफाई सहित अन्य तैयारी की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किये जा रहे कार्यो के संबंध में अवगत कराया। कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि भारत सरकार द्वारा गरियाबंद जिले को रिनेवल एनर्जी के रूप में चयन किया गया है। जिसमें भारत सरकार के अधिकारियों की टीम आकर फिल्ड में जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी लेंगे।इसके लिए उप अभियंता क्रेडा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने क्रेडा के उप अभियंता को निर्देशित किया कि अधिकारियों को आने से पूर्व जगह का चिन्हांकन कर ले। उनके आने के उपरांत साईउ विजिट कराये।श्री उइके ने कहा कि अधिकारियों को किसी भी प्रकार के मांग,शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर उसका नियमानुसार कार्यवाही करे।उन्होंने कहा कि समय-सीमा में दर्ज राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री,उच्च न्यायालयों, माननीय मंत्रीगणों के कार्यालय से प्राप्त पत्रों सहित जनदर्शन,जन शिकायत,पीजी पोर्टल,लोक संवाद,सीपी ग्राम सहित उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में वय वंदना योजना की समीक्षा करते हुए 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो का वय वंदना स्वास्थ्य कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वय वंदना कार्डधारी उक्त श्रेणी के बुजुर्गों को सामान्य आयुष्मान कार्ड की सुविधाओं के अतिरिक्त 5 लाख रूपये के स्वास्थ्य ईलाज की अतिरिक्त सुविधा मिलती है।जिले में वय वंदना कार्य बनाने से छुटे हुए बुजुर्गों को प्रेरित कर विशेष अभियान चलाकर उनका वय वंदना कार्ड बनाई जाए।इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,नवीन भगत,पंकज डाहिरे, सभी एसडीएम,जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

खबर-खास

बारिश नहीं हो रही, खेतों में दिखने लगी है दरारें, जिला पंचायत सभापति ने ली किसानों की सुध, सिंचाई विभाग से नहर से पानी छोड़ने की मांग

पाटन (समय दर्शन)। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बारिश नहीं हो रही है। खेत में फसल सूखने लगे हैं। खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें भी दिखने लगी है। किसानो की मेहनत पानी नहीं होने के कारण अब बर्बाद हो सकती है। ऐसे में तत्काल किसानों को पानी की जरूरत है। जिला पंचायत दुर्गा के सभापति श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर ने सिंचाई भाग के अधीक्षण यंत्री से तांदुला बांध से पानी छोड़ने की मांग की है। जिससे कि किसानों की खेतों में लगी फसल बच सके। पिछले कुछ दिनों से बारिश ही नहीं हो रही है वहीं रोपाई बयासी का काम पूर्ण हो चुका है खेती के लिए अब पानी की जरूरत पड़ रही है। लेकिन खेतों में पानी नहीं होने से अब फसल सूखने की कगार पर है। जिला पंचायत के सभापति श्रीमती चंद्राकर ने बताया कि उनके पास क्षेत्र के कई किसान आए थे जिन्होंने खेतों की स्थिति बताते हुए जल्द से जल्द नहर के पानी छोड़ने की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसानों ने की मांग को देखते हुए जल्द से जल्द से पानी छोड़ा जाए जिससे कि खेतों में लगी फसल की सिंचाई किया जा सके।

मिनिमाता की पुण्यतिथि मनाने ग्राम राखी पहुंचे प्रणव शर्मा

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद एवं सतनामी समाज की पूजनीय मिनी माता जी की पुण्यतिथि जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राखी में सभापति प्रणव शर्मा की उपस्थिति में मनाया गया। सभापति एवं उपस्थित सभी ने सामूहिक रूप से मिनी माता जी की मूर्ति पर पुष्प माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए एवं इस अवसर पर सभी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रणव शर्मा जी ने मिनी माता का जीवन परिचय देकर समाज के प्रति योगदान को याद किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जनपद सदस्य उत्तम बंजारे, हिरेंद्र देवांगन, होरी लाल धीवर, प्रशांत शर्मा, अर्जुन, प्रवेश शर्मा एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विश्व हाथी दिवस पर कार्यशाला एवं गज संरक्षण संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जशपुरनगर (समय दर्शन)। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर आज जिला पंचायत कार्यालय में कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं वनमण्डलाधिकारी श्री शशि कुमार की मौजूदगी में जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत अंतर्राज्यीय हाथी-मानव द्वंद को कम करने के उद्देश्य से कार्यशाला सह गज संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

22 अगस्त को प्रदेशभर में महा आंदोलन, 5 लाख से ज्यादा कर्मचारी-अधिकारी हड़ताल पर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश के 5 लाख से अधिक कर्मचारी अधिकारीयों द्वारा एक बार फिर से अपने विभिन्न मांगों को लेकर आगामी 22 अगस्त को राज्य के समस्त 33 जिला मुख्यालयों में हड़ताल करेंगे। प्रदेशभर के 120 से अधिक कर्मचारी-अधिकारी संगठनों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल आंदोलन एवं प्रदर्शन करेंगे।

प्रदेश के एक लाख अस्सी हजार एलबी संवर्ग शिक्षकों की प्रथम सेवा गणना, सहायक शिक्षक, पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, लिपिक, कृषि, जनपद, स्वास्थ्य, पीएचई, वन विभाग एवं विभिन्न कर्मचारी-अधिकारी संवर्ग की वेतन विसंगति दूर करने, केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के देय तिथि से समस्त राज्य कर्मचारियों को एरियर्स सहित महंगाई भत्ता एवं सभी कर्मचारियों की विभिन्न मांगों की पूर्ति हेतु प्रदेश के समस्त कर्मचारी-अधिकारी आगामी 22 अगस्त को एक दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा, प्रदेश पदाधिकारीगण राजेश चटर्जी, प्रवक्ता चंद्रशेखर तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष केदार जैन, मनीष मिश्रा, जीआर चंद्रा, राजनारायण द्विवेदी, जाकेश साहू, रोहित तिवारी, नानी दास दीवान, रीना राजपूत, सुमन शर्मा, प्रदीप पांडे, एवं शंकर साहू आदि ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव 2023 में अपने घोषणा पत्र को मोदी की गारंटी नाम देते हुए यह घोषणा किया था कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनते ही कर्मचारियों की सभी लंबित मांगे पूरी की जाएगी। जिसमें शिक्षक एलबी संवर्ग की प्रथम सेवा गणना, सहायक शिक्षक, पटवारी, लिपिक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं विभिन्न कर्मचारी-अधिकारी संवर्ग की वेतन विसंगति दूर करने, संविदा एवं दैनिक वेतन भोगियों का नियमितीकरण सहित प्रदेश के अन्य सभी कर्मचारियों की महंगाई भत्ता केंद्र के समान एरियर्स राशि सहित देने आदि का घोषणा किए थे, लेकिन आज प्रदेश में भाजपा की सरकार बने लगभग डेढ़ साल पूर्ण हो चुका है, उसके बाद भी कर्मचारी-अधिकारियों की मांगे पूरी नहीं की गई है। प्रदेश के कर्मचारी-अधिकारी संवर्ग अपनी भिन्न मांगों को लेकर एक बार फिर आगामी 22 अगस्त को प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालय में एक दिवासी धरना-प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश संयोजक कमल वर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, राजेश चटर्जी, जीआर चंद्रा, केदार जैन, मनीष मिश्रा, जाकेश साहू, टीकाराम यादव, असगर खान, महेश पटेल, शांतनु विश्वास, राकेश कुमार, टीकाराम यादव, कृष्ण कुमार लहरे, चेतन बघेल, बीरेंद्र नाग, चंद्रभानु मिश्रा, संजय सक्सेना, संजय तिवारी, भूपेंद्र बनाफर, गिरीश केशकर, सत्यप्रकाश बाघ, पतंजलि दीवान, हरीश देवांगन, संतोष पांडे, आशीष शर्मा, बीपी शर्मा, डॉक्टर लक्ष्मण भारती, जीआर साहू आदि ने राज्य के समस्त पांच लाख से अधिक कर्मचारी संवर्ग से अपील किया है कि सभी कर्मचारी-अधिकारी आगामी 22 अगस्त को अपने-अपने जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित होकर अपनी मांगों को मजबूत करते हुए फेडरेशन की आवाज को राज्य सरकार तक पहुंचाने का कष्ट करेंगे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर घुघवा (क) में होगा भव्य ग्रामीण दंगल

छत्तीसगढ़ के 36 ग्रामीण खेलों का होगा रोमांचक मुकाबला

पाटन (समय दर्शन)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हमर गाँव, हमर धाम के उद्देश्य के साथ महावीर यूथ क्लब एवं समस्त ग्रामवासी घुघवा (क) द्वारा 16 अगस्त को ग्रामीण स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता ग्रामीण दंगल का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायत सभापति एवं संयोजक प्रणव शर्मा ने आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण दंगल में छत्तीसगढ़ की गौरवमयी खेल परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए 36 पारंपरिक खेलों का शानदार संगम होगा। जिसमें सभी वर्गों के लिए खेल रखा गया है। आगे उन्होंने कहा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेलों के माध्यम से संस्कृति और परंपरा का संरक्षण एवं संवर्धन करना है, साथ ही ग्रामीण युवाओं में खेल भावना, आपसी भाईचारे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। सभापति प्रणव शर्मा ने आगे कहा कि प्रतियोगिताओं में शामिल सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। महावीर यूथ क्लब की ओर से मैं सभी खेल प्रेमियों, ग्रामवासियों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से आग्रह किया है कि वे इस अनूठे आयोजन में शामिल होकर छत्तीसगढ़ी खेल-संस्कृति को सशक्त बनाने में योगदान दें। समिति के पदाधिकारी सूरज कुमार, नमन साहू, धनेश्वर यादव, सचिन यादव ने बताया कि सुबह भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा अर्चना एवं महाप्रसादी के पश्चात अतिथियों द्वारा ग्रामीण दंगल का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण दही हांडी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। परंपरा और उल्लास से भरा यह रोमांचक कार्यक्रम सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए आनंद और उत्साह का केंद्र बनेगा।

छीसगढ़ के 36 खेलो का होगा अद्वितीय संगम

दौड़, मेढक दौड़, आलू दौड़, चम्मच दौड़, गेड़ी दौड़, मकड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, ऊँची कूद, स्लो साइकिल रेस, रस्सा खींच, रस्सा चढ़ना, पिठ्ठुल, संखली गिल्ली, भौरा, स्केटिंग, क्विज, तात्कालिक भाषण, खो-नारियल फेंक, बिंदी लगाओ, मटका फेड़, दिया दौड़, बिल्लस, बांटी, रस्सी दौड़, 5 भाषण, खो-खो, कबड्डी जनउला, तिरीपासा, अटकन मटकन, चुड़ी लुकउला, सुई-धागा दौड़, नमक इत्यादि।

युक्तियुक्तकरण का असर, ग्राम हनोदा स्कूल के तीन बच्चों का नवोदय में चयन

दुर्ग (समय दर्शन)। युक्तियुक्तकरण नीति से जहां एक ओर स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था में सुधार आया, वहीं दूसरी ओर बच्चों का भविष्य उज्जवल हो रहा है। इसका लाभ ग्रामीण अंचलों के प्राथमिक व मिडिल स्कूलों में देखने को मिल रहा है। शिक्षकों की कमी के चलते एक स्थिति ऐसी आ गई थी कि लोग सरकारी स्कूल को छोड़कर प्राईवेट स्कूल की ओर रूख बदल रहे थे। दुर्ग जिले का हनोदा गांव के प्राथमिक स्कूल में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। जहां पहली से पांचवी तक के बच्चे अध्ययनरत है। पहले बच्चे समय पर स्कूल तो जाते थे, लेकिन शिक्षकों के कमी के कारण सभी कक्षाओं में पढ़ाई नही हो पाती थी। वर्तमान में हनोदा स्कूल के बच्चों को तीन नये शिक्षक मिलने से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अब प्रत्येक कक्षा के लिए एक-एक शिक्षक उपलब्ध हैं। पूर्व में शिक्षक की कमी के चलते एक शिक्षक मानदेय पर रखा गया था, जो पहली कक्षा को पूरे विषय पढ़ाती थी।

किरंदुल परियोजना में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 2000 तिरंगे वितरित, स्वतंत्रता दिवस का उत्साह

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। , एनएमडीसी की किरंदुल कॉम्प्लेक्स परियोजना द्वारा 2 से 15 अगस्त 2025 तक 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। रवींद्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन और के.एल. नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन में, परियोजना ने देशभक्ति की भावना जागृत करने और तिरंगे के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आसपास के गांवों में 2000 तिरंगे (डंडे सहित) वितरित किए। ये तिरंगे जिला कलेक्टर, दंतेवाड़ा को परियोजना के सीएसआर कार्यक्रम के तहत सौंपे गए, जो देश की शक्ति, शांति, धर्म, उर्वरता और शुभता के प्रतीक के रूप में लहराएंगे। साथ ही, परियोजना की विभिन्न कॉलोनियों में अधिकारियों और कर्मचारियों के क्वार्टरों में भी 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' थीम के साथ स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया जाएगा, जिसमें तिरंगा फहराकर आजादी के जश्न को और भव्य बनाया जाएगा।

छात्राओं से अश्लील हरकत के आरोप पर बवाल

शिक्षक के खिलाफ एफआईआर को लेकर पालक पहुंचे थाना

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के सरायपाली थाना अंतर्गत लिमगांव में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक संदीप साहू पर छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

आरोप है कि शिक्षक कक्षा के दौरान दरवाजे और खिड़कियां बंद कर छात्राओं के साथ गलत हरकत(बैड टच) करते हैं, अनुचित नजर रखते हैं और पढ़ाई के समय अशोभनीय व्यवहार करते हैं। जानकारी के मुताबिक, आरोप सामने आने के बाद आज ग्रामीण और पीड़ित छात्राओं के पालक सरायपाली थाना पहुंचे और आरोपी शिक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी की पत्नी सुबह से ही लिमगांव में मौजूद थीं और पालकों से मामले को अंतिम बार माफकरने के लिए समझौता करने की कोशिश कर रही थीं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, जब छात्राएं घर पर इस घटना का जिक्र करती हैं, तो शिक्षक उन्हें धमकी देते हैं कि उनका चरित्र प्रमाण पत्र खराब कर देंगे? जिससे वे आगे किसी भी विद्यालय में प्रवेश नहीं ले पाएंगी। इस वजह से कई छात्राएं मानसिक दबाव में हैं।

ग्रामीणों ने मांग की है कि आरोपी शिक्षक को तुरंत विद्यालय से हटाकर स्थानांतरण किया जाए और कड़ी कार्रवाई की जाए

ग्रामीणों ने कहा है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन से संपर्क करेंगे।

यह मामला अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है, जिससे बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर स्थानीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है।

जिला पंचायत में हर्षोल्लास से मनाया गया हर घर तिरंगा अभियान

सुकमा। सुकमा जिले में में हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला पंचायत सुकमा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली छात्रों ने देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश दिया। स्कूली छात्रों ने जिला पंचायत में रंगोली एवं पोस्टर का निर्माण किया। इसके साथ ही स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग और हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता की थीम के साथ रैली निकालकर देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश दिया।

॥ कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) महासमुंद जिला महासमुन्द (छ.ग.)॥

// ज्ञापन //

क्रमांक/54/क्र./कले./भू-अर्जन/मुंधा/2025 महासमुन्द दिनांक 16/04/2025

प्रति,
अनुविभागीय अधिकारी (रा0) एवं भू-अर्जन अधिकारी सरायपाली

विषयः- मुआवजा राशि प्रदाय करने के संबंध में।

संदंभः आपका पत्र क्रमांक 551 क/वा-1/अ.वि.अ./2025 दिनांक 03/04/2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र अनुसार कार्यपालन अभियन्ता लो0नि0वि0 (भ/स) संभाग महासमुन्द द्वारा झिलमिला जम्हारी-साजापाली मार्ग लंबाई 14.62 कि.मी. सड़क निर्माण में आपसी सहमति से भूमि क्रय-निति 2016 के अन्तर्गत ग्राम मुंधा प.ह.न.02 तहसील सरायपाली स्थित भूमि खसरा नं. 602/23, 602/26 रकबा 0.44, 0.20 हे0 रकबा 0.02, 0.02 हे. भूमि का अर्जन किये जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है जिसमें मौका जांच अनुसार खसरा नं. 602/23 की प्रभावित रकबा 0.02 हे0 सड़क निर्माण में प्रभावित होना एवं खसरा नं. 602/26 प्रभावित रकबा 0.02 हे0 भूमि को सड़क निर्माण कार्य में प्रभावित नहीं होना प्रतिवेदन किया गया है। खसरा नं. 602/26 के स्थान पर खसरा नं. 602/17 प्रभावित रकबा 0.02 हे0 भूमि को प्रभावित करना उल्लेखित किया गया है। चूंकि दोनो खसरा नं. 602/26 व 602/17 हे0 भूमि एक कृषक दलन, धनीराम पिता बन्दोबस्त की भूमिस्वामी हक भूमि है जिस आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में खसरा नं.602/26 के स्थान पर खसरा नं.602/17 का संबोधित पंजीयन आदेश जारी किये जाने के आवेदन के आधार पर आपके द्वारा संशोधित पंजीयन आदेश जारी किये जाने पत्र प्रेषित किया गया ! भू-अर्जन प्रकरण में खसरा नं. 602/26 प्रभावित रकबा 0.02 हे0 भूमि का प्रारूप (क) जारी होने भू-स्वामी द्वारा प्रारूप (ख) में विभाग के पक्ष में विक्रय किये जाने की लिखित सहमति दिये जाने के आधार पर सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन कराया गया है। तत्पश्चात प्रभावित भूमि का पंजीयन आदेश जारी किया गया है। इसलिए 602/17 प्रभावित रकबा 0.02 हे0 भूमि की सूचना प्रारूप (क) में दिया जाकर लिखित सहमति हेतु प्रारूप (ख) लिया जाना होगा। तत्पश्चात उक्त खसरा का सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन पश्चात पंजीयन हेतु अनुमति ओदश जारी किया जाना उचित प्रतित होगा। इस संबंध में कार्यपालन अभियन्ता लो0नि0वि0 (भ/स) संभाग महासमुन्द को उक्त खसरा का अर्जन किये जाने हेतु पृथक से प्रस्ताव लिये जाने पत्र प्रेसित किया जा रहा है।

(मुहर) **प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन एवं कलेक्टर महासमुन्द**

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव ने शिक्षकों के लिए आयोजित की नवाचारपूर्ण कार्यशाला

मल्टीप्ल इंटेलिजेंस और आधुनिक शिक्षण तकनीकों से डीएवी किरंदुल में शिक्षा को मिला नया आयाम

किरंदुल (समय दर्शन)। डीएवी पब्लिक स्कूल, किरंदुल में प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में 50 से अधिक शिक्षकों के लिए एक विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार लाना और छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना था। प्राचार्य श्रीवास्तव ने मल्टीप्ल इंटेलिजेंस, स्मार्ट वर्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, समावेशी शिक्षा, मूल्य-आधारित शिक्षा, वर्बल लिंग्विस्टिक, लॉजिकल मैथमेटिकल, इंटरपर्सनल और इंट्रापर्सनल शिक्षण तकनीकों जैसे नवीन दृष्टिकोणों पर प्रशिक्षण दिया।

इसके अतिरिक्त, आत्मविश्वास, आत्म-अवलोकन और सेल्फ स्मार्ट जैसी तकनीकों के माध्यम से शिक्षण को रुचिकर और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया, ताकि छात्रों के करियर निर्माण में सहायता मिल सके। कार्यशाला में शामिल सभी शिक्षकों ने प्राचार्य के इस प्रयास की सराहना की और इसे शिक्षण पद्धति में सुधार और बेहतर परिणाम प्राप्त करने में उपयोगी बताया। शिक्षकों ने भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन की मांग की, ताकि विद्यालय को सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

केशकाल बाईपास सड़क निर्माण से जनता को प्रतिदिन जाम से मिलेगा निजात

जगदलपुर। बस्तरवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग केशकाल बाईपास सड़क का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होगा। जिसके लिए केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव जी ने पत्र लिखकर केशकाल बाईपास सड़क का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होने की बात कही गई थी । महापौर श्री संजय पांडे एवं निगम अध्यक्ष श्री खेमसिंह देवांगन ने कहा कि बस्तर के लाइफलाइन कहे जाने वाले केशकाल बाईपास सड़क निर्माण की मांग वर्षो से की जा रही है।

सुकमा में द्वितीय वाहिनी सीआरपीएफ ने निकाला भव्य तिरंगा मार्च, हर घर तिरंगा अभियान को दिया बढ़ावा

दंतेवाड़ा /सुकमा (समय दर्शन)। द्वितीय वाहिनी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कमांडेंट कमलेश कुमार के मार्गदर्शन में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सुकमा में एक भव्य तिरंगा मार्च का आयोजन किया। यह मार्च वाहिनी मुख्यालय, सबरीनगर, सुकमा से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरा। कार्यक्रम में उप जिला कलेक्टर शादाब खान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मार्च का नेतृत्व द्वितीय कमान अधिकारी विवेक सक्सेना, अश्वनी कुमार मिश्रा और सीएमओ डॉ. नितीश परचाके ने किया।

इस अवसर पर ष्ट्रक्क्रन्न के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों और सुकमा के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मार्च के दौरान देशभक्ति के नारे और गीतों से वातावरण गूंज उठा। तिरंगा मार्च के माध्यम से आम जनता को 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति जागरूक किया गया और इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

द्वितीय वाहिनी सीआरपीएफ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के गौरव और एकता में सहभागी बनें। यह आयोजन हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ संपन्न हुआ

देवरी महंत को 'गौरव ग्राम' घोषित करने की मांग तेज, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में स्मारक व शिलालेख लगाने की पहल

डॉ. भीमराव अंबेडकर शिक्षण संस्थान ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम सौंपा ज्ञापन

मुंगेली(समय दर्शन)। ग्राम पंचायत देवरी महंत को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक योगदान को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु डॉ.भीमराव अंबेडकर शिक्षण संस्थान द्वारा जिला कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में ग्राम देवरी महंत में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक एवं प्रवेश द्वार तथा मुंगेली कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा के समीप शिलालेख पट्टिका स्थापित करने की मांग की गई है।गौरतलब है कि मुंगेली से लोरमी मार्ग पर 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम देवरी महंत देश का एकमात्र ऐसा गांव माना जा रहा है, जहां से एक साथ 22 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वतंत्रता आंदोलन में सहभागी बने। पूरे जिले की बात करें तो कुल 36 सेनानियों ने आज़ादी की लड़ाई में योगदान दिया, जिनमें से सर्वाधिक संख्या इसी गांव से है।

संस्थान का कहना है कि देवरी महंत का यह इतिहास न केवल जिला मुंगेली, बल्कि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व की बात है।

यदि यहां एक स्मारक और भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाता है, तो यह गौरव ग्राम के रूप में राष्ट्रीय पहचान स्थापित करेगा। वहीं, कलेक्ट्रेट परिसर में महात्मा गांधी प्रतिमा के पास स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम अंकित शिलालेख स्थापित करने से उन अमर सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकेगी।

संक्षिप्त-खबर

केबल तार चोरी से किसान परेशान, चोरों ने बिजली खंभा का तार को भी नहीं छोड़ा, करंट प्रवाहित तार को काटकर कर को चोरी, किसानो के खेतों में लगे मोटर पंप बंद

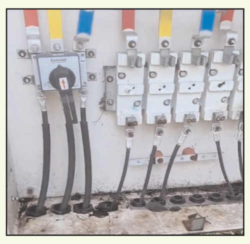

पाटन (समय दर्शन)। पाटन क्षेत्र में बिजली तार चोरी का मामला बढ़ता ही जा रहा है। इसके साथ ही किसानों के खेतों में लगे मोटर पंप का केवल तार भी चोरी लगातार होने लगी है। इससे किसान काफी परेशान है। बता दे की अभी बारिश नहीं हो रही है और किसान अपनी फसल को बचाने के लिए मोटर पंप से खेतों की सिंचाई कर रहे हैं। ऐसे में बिजली तार एवं मोटर पंप का केबल तार चोरी होने से किसान परेशान है। पाटन ब्लॉक के ग्राम छोटे औरी में बीती रात्रि 8 बिजली खंभा से तार चोरी किया गया है। जिस समय चोरी हुई उस समय करंट प्रवाहित हो रहा था। वही किसान तीरथ कुर्रे, अतुल चंद्राकर, चंद्रदेव सोनवानी, राजेश कुमार के खेत में लगे मोटर पंप का केबल तार चोरी हो गई है। किसानो ने जानकारी दिया कि पिछले जनवरी फरवरी माह भी मोटर पंप का केबल तार चोरी हुआ था। जिसको रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई है। चोर पकड़ाया ही नहीं है और अब फिर से चार किसान के खेत से केबल तार चोरी हो गई है। किसान खेतों में पानी की सिंचाई नहीं कर पा रहे है। इधर फसल भी सूखने के कगार पर है। बिजली विभाग को किसानों की समस्याओं को देखते हुए जल्द को बिजली खंभा में तार लगाकर सप्लाई शुरू किया जाना चाहिए।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भर्ती, दावा आपत्ति 21 अगस्त तक

दुर्ग (समय दर्शन)। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 में आंगनगाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी कार्यकताओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 कार्यालय (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी) में कार्यलयीन समय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जिस वार्ड में कार्यकर्ता के पद रिक्त है, उसी वार्ड अंतर्गत स्थानीय आवेदिकाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया था।

परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना श्रीमती पदमजा सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 11 मुरूमखदान एवं वार्ड क्रमांक 29 वृंदावनगर-01 में रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। उक्त केन्द्रों में प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन पश्चात् समिति द्वारा अनंतिम मूल्यांकन पत्रक का प्रकाशन किया गया है। उक्त मूल्यांकन पर दावा आपत्ति 21 अगस्त 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 01 (चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी भिलाई) में कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

पालना सहायिका पद हेतु आवेदन 26 अगस्त तक आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 01 के अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई वार्ड क्रमांक-70 के आंगनबाड़ी केन्द्र हुड़को तथा नगर पालिक निगम रिसाली वार्ड क्रमांक 24 आंगनबाड़ी केन्द्र आजाद मार्केट रिसाली में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन 26 अगस्त 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 01 (पता-जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी भिलाई) में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए।

बसना विकासखण्ड के ग्राम दुर्गापाली मे सिंदूर पार्क गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

सिंदूर पार्क पौधारोपण मे शामिल हुए मुख्यमंत्री

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के ग्राम दुर्गापाली में एक पेड़ मां के नाम एवं चरण पादुका वितरण कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यहां देव वृक्ष रुद्राक्ष का पौधरोपण किया एवं 50 तेंदूपत्ता हितग्राहियों को चरण पादुका वितरण किया। उन्होंने अपनी माता जी श्रीमती जसमनी देवी के नाम से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, जगदलपुर विधायक एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव, उत्तर रायपुर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद,अजय जामवाल,रायपुर नगर निगम की अध्यक्ष मिनल चौबे, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चंद्राकर, महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सरला

कोसरिया,सरायपाली विधायक चातुरी नंद, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल, सरायपाली पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती मिलो पटेल, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर,बसना विधानसभा संयोजक डॉ एन के अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष बसना डिलेश्वरी निराला, कलेक्टर विनय लंगेह, पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह, मंडलाधिकारी मयंक पांडेय,वन परिक्षेत्राधिकारी एस आर निराला,सीईओ पीयूष सिंह,उद्यानिकी अधिकारी उपेन्द्र नाग, डिप्टी रेंजर वीरेन्द्र पाठक, जिला के अधिकारीगण व जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

दुर्गापाली स्थित सिंदूर पार्क में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शहीदों की स्मृति में सवा दो एकड़ भूमि पर 501 पौधे लगाने की अनूठी संकल्प को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

ब्रह्माकुमारी दुर्ग द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 24 को

दुर्ग (समय दर्शन)। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पूर्व प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति के अवसर पर संस्था के समाजिक सेवा प्रभाग द्वारा रविवार 24 अगस्त 2025 को जिला अस्पताल दुर्ग में प्रात: 9:00 बजे से 6:00 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है ।

इस आयोजन को सफलता पूर्वक संपन्न करने के लिए में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रहमाकुमारी दुर्ग),ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी के सानिध्य में ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों के साथ आज मीटिंग हुई ।

उल्लेखनीय है संपूर्ण भारत में ब्रह्माकुमारीज के सभी जिला व तहसील स्तर के सेवाकेन्द्रों के द्वारा यह रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस लक्ष्य को पूर्ण करने विभिन्न स्वयंसेवी व सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है । ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी एवं रुपाली दीदी ने मीटिंग में उपस्थित सभी भाई-बहनों से इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए अपने विचार एवं सभी के विचार इस संबंध में साझा किया एवं अंत में इस अभियान को कैसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा कर संपन्न करना है इसकी रूपरेखा सभी को बतायीं।

जीवन की अन्तिम मुक्ति के लिए मुक्तिधाम नही

योगेश कुर्रे

सारंगढ़ (समय दर्शन)। कहते है कि जीवन की तकलीफ सिर्फ जीने में होती है लेकिन यह तस्वीर बया कर रही की मरने के बाद जब तक आपके जीवन का अन्तिम दाह संस्कार न हो जाए तब तक खत्म नहीं हो सकता लेकिन आज हम जिस 21 वी सदी में जी रहे है वहां जीवन की अन्तिम यात्रा जिसे मुक्ति कहते है आज मुक्ति पाने के लिए मुक्तिधाम नही ये स्थिति है सारंगढ़ शहर से महज़ 5 से 7 किलो मीटर दूर ग्राम पंचायत कोतमरा का है जहां आज भी ग्रामीणों के पास मुक्तिधाम नही आपको बता दे ग्राम पंचायत कोतमरा 200 साल पुराना गांव बताया जा रहा जहां कई सरपंच बदल गए लेकिन आज भी मुक्तिधाम नही बना आज आपको बताते है कि ग्रामीण कैसे

बदहाली और मुक्तिधाम के अभाव में घास साफ कर दाहसंस्कार कर रहे कोतमरा में एक ग्रामीण की मौत हुई जहां उसके अन्तिम मुक्ति देने गांव के घासभरे स्थान पर लेकर जाने के लिए मजबूर है और घास को साफ कर अन्तिम मुक्ति दी गई बरसात में यह स्थिति और भी बदतर है।

धूप में बचने के लिए छांव नहीं, बरसात से बचने के लिए छत नहीं और दाह संस्कार करने के लिए मुक्तिधाम नही वर्तमान बारिश का मौसम है बारिश हुई तो दिक्कतें और भी बढ़ जाएगी ग्रामीण लगातार कई वर्षों से शासन प्रशासन को अवगत कराते आ रहे लेकिन अब तक ग्रामीणों को मुक्तिधाम की सुविधा नहीं मिला है फिलहाल ग्रामीणों ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन देकर फिर से गुहार लगाई गई है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वर्तमान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड बेरला के ग्राम कोदवा आं.बा.केन्द्र कोदवा 01 ग्राम पंचायत कोदवा मे आं.बा. सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 11 अगस्त 2025 से 25 अगस्त 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेरला में कार्यालयीन समय 10:00 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे।

जिले के किसानों को खरीफफसल में सिंचाई के लिए आज से मिलेगा पानी

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में सिंचाई योजना पर किया गया चर्चा

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के किसानों को खरीफफसल के लिए बांध का पानी दिया जाएगा।किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में यह प्रस्तावित किया गया।कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, जिला जल उपयोगिता समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर बी.एस.उइके,अपर कलेक्टर नवीन भगत,जिला जल उपयोगिता समिति के सचिव एवं कार्यपालन अभियंता एस.के बर्मन सहित जिला जल उपयोगिता के सदस्य गण एवं सिंचाई विभाग के सभी अनुविभागीय अधिकारी गण शामिल हुए। बैठक में खरीफ फसल के लिए जलाशयों में उपलब्ध पानी क्षमता के मांग के अनुरूप आज से ही किसानों को सिंचाई के लिए खेतों में पानी दिए

जाने के निर्णय लिया गया। जिससे क्षेत्र के हजारों किसान लाभान्वित होंगे।

बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू ने किसानों द्वारा खरीफ सीजन में सिंचाई हेतु पानी की मांग के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कहा कि जिल के कुछ जलाशयों में खरीफफसल के सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है।किसानों को आावश्यकतानुसार जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा पानी उपलब्ध कराया जाएगा।किसानों को खरीफसीजन के लिए पानी की चिंता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि काड़ा नाली के तहत मुख्य नहर परसदा माईनर फिंगेश्वर वितरक एवं छोटे जलाशयों से निकलने वाले नालियों से क्रांकिटीकरण करने के लिए डीपीआर तैयार करने को कहा। श्री साहू ने किसान भाईयों से आग्रह किया है कि वे सिंचाई के पानी को अनावश्यक व्यर्थ न करे। पानी की एक-एक बूंद हम सबके लिए बहुमूल्य है।उन्होंने रबी सीजन के लिए किसानों से आग्रह किया है कि वे धान के बदले दलहन-तिलहन एवं अन्य फसल ले तथा फसल चक्र परिवर्तन करे, इससे खेतों में उपजाऊपन बना रहेगा। साथ ही किसानों के अपने फसल का उचित दाम भी प्राप्त होगा।बैठक में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन ने विस्तार पूर्वक बताया कि जिले में एक वृहद जलाशय एवं 48 लघु जलाशय है। जिसमें से सिकासार वृहद जलाशय में 174.50 मिलियन घन मीटर अर्थात 87.74 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। इसी प्रकार 48 लघु जलाशयों में 38.83 मिलियन घन मीटर अर्थात 50.69 प्रतिशत जल भराव हुआ है। सिकासार जलाशय से जल भराव उपलब्धता से गरियाबंद जिले के अंतर्गत पैरी परियोजना दांयी तट नहर से 101 ग्रामों में 26 हजार 200 हेक्टेयर क्षेत्र तथा धमतरी जिले के अंतर्गत पैरी परियोजना बांयी तट नहर से 49 ग्रामों में 12 हजार 100 हेक्टेयर क्षेत्र इस तरह सिकासार जलाशय से 38 हजार 300 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल में पानी दिया जाना प्रस्तावित है।लघु जलशयों से लगभग 27 हजार 110 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल के लिए पानी दिया जाना प्रास्तावित है।

ग्राम पंचायत पहांडोर में बिना पंचायत के अनुमति चल रहा था जिओ का टावर, जांच टीम पहुंची गांव

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत वार्ड नं 3 मे लगा जीओ का टावर आज भी विवाद का कारण बना हुआ है। ग्राम पंचायत प्रस्ताव के बिना प्रस्ताव खोमलाल पिता जय राम को निजी लाभ पहुंचाते हुए जियो टावर लगाया गया था। इसके विषय में जब गांव के युवा भावेश कुमार वर्मा ने जब पंचायत मे सूचना के अधिकार के तहत् जानकारी मांगी तब पता चला कि ग्राम सभा में बिना प्रस्ताव के ही जीओ का टावर लगाने दिया गया है। इस जियो टावर को लगाने के लिए दिए गए भूमि हेतु प्रतिमाह किराए का पैसा खोमलाल को दिया जा रहा है। जबकि उक्त भूमि आबादी पट्टा जांच समिति द्वारा दिए गए पंचनामा रिपोर्ट में बताया गया है।जांच समिति में शामिल आर आई , पटवारी को स्थल निरीक्षण के दौरान खोमलाल द्वारा भूमि के स्वामित्व के संबंध में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया न ही उनके द्वारा जियो टावर से मिलने वाली राशि किस दस्तावेज अथवा अधिकार से ली जा रही है इसकी कोई भी जानकारी उपलब्ध कराई गई।

आवेदक भावेश कुमार वर्मा ने पंचायत से इस मामले को संज्ञान में लेते हुए जियो टावर से अब तक की प्राप्त राशि व आगे मिलने वाली राशि को ग्राम विकास हेतु उपयोग करने के लिए पंचायत को दिए जाने हेतु प्रस्ताव लाने की बात कही है।

औराईकला में 25 हेक्टेयर जमीन पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण

कलेटर जन्मेजय महोबे ने पौधारोपण कर कहा, पौधों को सुरक्षित रखना हम सब की जिमेदारी

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत औराईकला में एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2.0 के अंतर्गत पौधरोपण किया और कहा कि पौधों को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सब की है। औराईकला में जिला प्रशासन और प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से 25 हेक्टेयर भूमि पर तीन चरणों में 25 हजार पौधे लगाए जाएंगे और पेड़ों की

फेंसिंग, पानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित इंडस्ट्रीज के द्वारा की जाएगी। पहले चरण में मंगलवार को आम, करंज, आँवला, अर्जुन, शीशम, सफेद, काला सिरसा, पीपल, आकेसिया, कटहल जैसे छायादार और औषधीय महत्व के पौधे लगाए गए। वृहद पौधारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, उद्योग प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि इन स्थानों को खाली छोड़ने के बजाय पौधे लगाकर हरियाली करना ही स्थायी समाधान है। इस अभियान में उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट से करें वार्षिक सत्यापन, वरना बंद होगी पेंशन

पेंशनधारियों के लिए जरूरी अलर्ट

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम एवं समाज कल्याण विभाग ने पेंशनधारियों के वार्षिक सत्यापन की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है।अब वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने वाले सभी पात्र लाभार्थियों को अपना वार्षिक सत्यापन डिजिटल लाइफसर्टिफिक्रेट ऐप के माध्यम से कराना अनिवार्य होगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि जो भी लाभार्थी समय पर सत्यापन नहीं कराएंगे, उनकी पेंशन भुगतान प्रक्रिया रोक दी जाएगी।

डिजिटल तरीके से होगी पूरी प्रक्रिया

पहले पेंशन सत्यापन के लिए लाभार्थियों को कई दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे।लेकिन अब मोबाइल पर मौजूद डिजिटल लाइफ सर्टिफिक्रेट ऐप के जरिए यह काम आसानी से पूरा किया जा सकता है। इस ऐप के माध्यम से सीधे ऑनलाइन डाटा अपडेट होगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और

समय की बचत होगी।

आवश्यक दस्तावेज और शर्तें

पेंशनधारी को सत्यापन के समय स्वयं उपस्थित होना पड़ेगा। मोबाइल फोन साथ लाना जरूरी है, जिससे ऐप के जरिए सत्यापन किया जा सके। सत्यापन के लिए लाभार्थी अपने वार्ड के एआरआई या राजस्व विभाग, कमरा नंबर 3, नगर पालिक निगम दुर्ग से संपर्क कर सकते हैं।

किन योजनाओं के लिए जरूरी है यह सत्यापन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना,समय पर सत्यापन न कराने पर नुकसान

विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यदि कोई भी पेंशनधारी समय सीमा के भीतर वार्षिक सत्यापन नहीं कराता है, तो उसकी पेंशन अगले माह से रोक दी जाएगी। ऐसे में पेंशनधारियों को आर्थिक परेशानी से बचने के लिए तुरंत प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

डिजिटल व्यवस्था से मिलने वाले फायदे

नई डिजिटल प्रक्रिया से पेंशनधारियों को लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। यह प्रणाली तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक है। साथ ही सभी डाटा तुरंत अपडेट होकर रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगा, जिससे किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना कम होगी।जागरूकता संदेश आपकी पेंशन आपका हक है, लेकिन वार्षिक सत्यापन आपकी जिम्मेदारी है, समय पर करें, पेंशन पाएं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27